राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 04 मई 2026
वर्ष 14, अंक 25, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

IPL की आड़ में सट्टेबाजी का काला खेल...03

अमेरिका भरोसेमंद नहीं, फिर भड़क सकता है युद्ध... ईरान का बड़ा दावा...04

## क्या फिर चलेगा ममता का जादू या पहली बार खिलेगा कमल? बंगाल चुनाव रिजल्ट में ये फैक्टर होंगे खास

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान के बाद अब इंतजार खत्म हो रहा है. रात बीतते ही सुबह राज्य की 293 सीटों पर मतगणना शुरू होगी और दोपहर 12 बजे तक लगभग यह साफ हो जाएगा कि पश्चिम बंगाल में फिर से ममता बनर्जी की सरकार बनेगी या भाजपा पहली बार राज्य में कमल खिलाने में सफल रहेगी. इस बार का बंगाल चुनाव कई मायनों में पूरी तरह से अलग रहा है और चुनाव के दौरान कई नए रिकॉर्ड बने हैं. चुनावी इतिहास में पहली बार दो चरणों में मतदान हुए थे. इससे पहले हिंसा की वजह से राज्य में आठ चरणों तक मतदान हो चुके हैं. इस चुनाव के दोनों चरणों में एक भी मौत की खबर नहीं आई. इस बार बंगाल में सबसे ज्यादा सेंट्रल फोर्स तैनात की गई थी और रिकॉर्ड मतदान हुआ है. ऐसा मतदान देश के चुनावी इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था. सीधे शब्दों में कहें तो, 2026 के विधानसभा चुनाव ने राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक ऐसा चैप्टर पहले ही लिख दिया है जो पहले कभी नहीं हुआ.

**क्या रिकॉर्ड वोटिंग से बाजी पलट जाएगी?**

इस बार पूरे बंगाल में भारी वोटिंग हुई है. आज़ादी के बाद पूरे देश के हिसाब से एक नया रिकॉर्ड बना है. 2011 में 84 परसेंट, 2016 में 82.66 परसेंट और 2021 में 81.56 परसेंट वोटिंग हुई थी, लेकिन 2026 में वे सारे आंकड़े फीके पड़ गए हैं. इस बार वोटिंग रेट 92 परसेंट को पार कर गया है, जिन जगहों पर री-पोलिंग हुई, वहां वोटिंग का ग्राफ हाई है. पहले फेज में 152 सीटों पर 2021 के मुकाबले करीब 21 लाख 11 हजार ज्यादा वोट पड़े (हर विधानसभा में एवरेज 13,800 ज्यादा वोट). दूसरे फेज में 142 सीटों पर 9 लाख 8 हजार वोट बढ़े. हर सीट पर एवरेज 6,400 ज्यादा. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि वोटों में इतनी बड़ी बढ़ोतरी के पीछे माइग्रेंट वर्कर्स का अपने घर लौटना एक बहुत ही अहम 'X फैक्टर' का काम किया है.

**क्या डेमोग्राफिक्स में अंतर का पड़ेगा कोई प्रभाव?**

पहले फेज में 152 सीटों में से 81 परसेंट पर गांव के वोटर थे, जबकि 29 परसेंट मुस्लिम, 24 परसेंट शेड्यूल्ड कास्ट और 9 परसेंट ट्राइबल थे. वहीं, दूसरे फेज में सिर्फ 53 परसेंट गांव के वोटर थे, यानी शहरी असर ज्यादा था. यहां मुस्लिम 25 परसेंट, शेड्यूल्ड कास्ट 23 परसेंट और ट्राइबल 2.5 परसेंट थे. देखना यह है कि डेमोग्राफिक्स में यह अंतर दोनों मुख्य पार्टियों के वोट शेयर पर कितना असर डालता है? साथ ही, यह भी देखना है कि लेफ्ट-कांग्रेस-ISF-हुमायूं पार्टी भी कितना असर डालती है

**बीजेपी के पक्ष में कौन-कौन से फैक्टर**

विपक्षी पार्टी होने के नाते बीजेपी मुख्य रूप से सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ लोगों के गुस्से के साथ-साथ कई खास मुद्दों को भुनाने के लिए मैदान में उतरी थी. यह कहने की जरूरत नहीं है कि 15 साल से तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ चल रही एंटी इनकंबेंसी को बीजेपी ने हवा दे रही है. आरजी कर रेप केस और कस्बा लॉ कॉलेज जैसी सेंसिटिव घटनाओं ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर तृणमूल पर भारी दबाव बनाया है. तृणमूल के खिलाफ उठाए गए करप्शन के मुद्दे और 26,000 नौकरियों को रद्द करने के मामले को भी भाजपा ने भुनाया है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे शहरी और पढ़े-लिखे मिडिल क्लास का गुस्सा काफी हद तक भाजपा की तरफ जा सकता है. दूसरी ओर, आलू किसानों में अपनी फसल का सही दाम न मिलने से बहुत ज्यादा नाराज़गी है. राज्य की 26 सीटों पर आलू किसानों का प्रभाव माना जाता है. 2021 के चुनाव में इनमें से तृणमूल 18 सीटों पर और भाजपा 8 सीटों पर आगे थी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल घटकर 16 और भाजपा बढ़कर 10 हो गई है. यह बीजेपी के लिए एक पॉजिटिव संकेत है. प्रॉफिट मार्जिन पोलराइजेशन में भी है. जानकार लोगों के मुताबिक, मुर्शिदाबाद में हिंसा, वक्फ मुद्दा और बेलडांगा की घटना कुछ इलाकों में पॉलिटिकल पोलराइजेशन कर सकती है, जिससे BJP का वोट बैंक मजबूत होगा.

**सत्तारूढ़ तृणमूल को कहां फायदा है?**

हालांकि लगातार पंद्रह साल सत्ता में रहने की वजह से तृणमूल के खिलाफ माहौल मजबूत हुआ है, लेकिन यह कहने की जरूरत नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस की अभी भी कुछ मजबूत नींव है. राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, इस चुनाव में यही उनका बड़ा फायदा है. बूथ लेवल पर तृणमूल की ऑर्गेनाइजेशनल ताकत उनका सबसे बड़ा टूल है, जो वोटर्स को आखिरी समय तक अपने बूथ पर वोट बनाए रखने में मदद करती है. दूसरी तरफ, ग्रामीण इलाकों में लक्ष्मी भंडार की आसमान छूती लोकप्रियता तृणमूल के पक्ष में महिलाओं का वोट बैंक बनाए रखने के पीछे एक मुख्य कारण है. इसके साथ ही, कन्याश्री और रूपश्री जैसे एक के बाद एक लोगों से जुड़े प्रोजेक्ट भी हैं. कई लोगों का कहना है कि इस बार [illegible] के असर से राज्य में मुस्लिम वोट तृणमूल के पक्ष में ज्यादा हुआ है. इसके अलावा, इस [illegible] की लिस्ट से बाहर रखे गए मतुआ समुदाय की नाराजगी भी अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी पार्टी को फायदा पहुंचा सकती है. दूसरी तरफ, 2024 के लोकसभा चुनावों का हिसाब कहता है कि तृणमूल ने जंगलमहल में अपनी खोई हुई जमीन काफी हद तक वापस पा ली है, जिससे उन्हें इस चुनाव में और फायदा हो सकता है.

**इस बार चुनाव में क्या अहम फैक्टर?**

यह कहने की जरूरत नहीं है कि तृणमूल और BJP के बीच सीधी लड़ाई के बाहर कई मुद्दे [illegible]-फ़ैक्टर बनने वाले हैं. [illegible] से 27 लाख नामों का बाहर होना इस चुनाव का सबसे बड़ा '[illegible] फैक्टर' सभी मान रहे हैं. इतनी बड़ी संख्या में लोगों का गुस्सा बैलेट बॉक्स पर भी बड़ा असर डाल सकता है. दूसरी तरफ, लक्ष्मी भंडार के महिलाओं का दिल जीतने के कैंपेन के जवाब में बीजेपी के '3,000 रुपये हर महीने' के वादे का कितना असर होगा, यह देखना बाकी है. इसके अलावा, बेरोजगारी भत्ता, जल्दी भर्ती का वादा, DA जैसी चीजें राज्य की युवा पीढ़ी और नौकरी ढूंढने वालों, सरकारी कर्मचारियों को काफी हद तक प्रभावित कर सकती है. इसके अलावा, इस चुनाव में तीसरी ताकत की भूमिका को भी लगभग नकारा नहीं जा सकता. कई सीटों पर जीत या हार इस बात पर निर्भर करती है कि लेफ्ट, ISF और कांग्रेस गठबंधन में या अलग-अलग कितने वोट खींच पाते हैं. कई सीटों पर अगर एंटी-एस्टैब्लिशमेंट वोट बंटा तो BJP हारेगी, और अगर माइनॉरिटी या तृणमूल को खींचा तो नुकसान BJP को होगा. सीधे शब्दों में कहें तो यह चुनाव एकतरफा लहर वाला चुनाव नहीं है. एक तरफ, ग्रामीण बंगाल में पब्लिक वेलफेयर प्रोजेक्ट्स और जमीनी स्तर पर आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए मजबूत बूथ-लेवल संगठन हैं, तो दूसरी तरफ, संस्थाओं के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है, महिलाओं की सुरक्षा के सवाल हैं और अब यह देखना होगा कि कल की सुबह किसकी होगी. बंगाल में फिर से ममता राज होगा या पहली बार कमल फूल खिलेगा?

## क्या केरलम में हो गया खेला? रिजल्ट से पहले CM पिनाराई विजयन ने सोशल मीडिया पर बदला Bio

केरलम के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के काउंटिंग से एक दिन पहले रविवार को अपना सोशल मीडिया बायो बदल दिया. विजयन के बदले हुए बायो में अब 'पोलित ब्यूरो मेंबर, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट)' लिखा है. मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन अपने गृह राज्य से लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक जीत की उम्मीद कर रहे हैं. हालांकि यह चुनाव क्षेत्र लेफ्ट के लिए एक जाना-माना किला है, लेकिन 2026 का चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट और बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस कांटे की टक्कर दे रहा है. UDF ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ VP अब्दुल रशीद को मैदान में उतारा था, जबकि दूसरी ओर, के रंजीत ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था. विजयन ने 2016 और 2021 में धर्मदम सीट आराम से जीती थी. 2021 के चुनावों के दौरान, विजयन को 95,522 (59.8%) वोट मिले, जबकि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के उम्मीदवार सी रघुनाथन को कुल डाले गए वोटों का 28.4% मिला. इससे पहले, 2016 में, केरल के सीएम, जिन्होंने पहली बार इस सीट से चुनाव लड़ा था, ने DF के मम्बरम दिवाकरन से 30,905 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी. विजयन को आखिर में 87,329 वोट मिले, जबकि दिवाकरन को कुल 50,424 वोटरों ने वोट दिया.

**एग्जिट पोल में DF की जीत के अनुमान**

एग्जिट पोल के अनुमानों में कहा गया है कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (DF) केरलम विधानसभा चुनाव जीतने की स्थिति में है. एक्सिस माई इंडिया ने DF के लिए आसान बहुमत का अनुमान लगाया है और कहा है कि वह 140 सदस्यों वाली विधानसभा में 78 से 90 सीटें जीतेगी. इसमें कहा गया है कि लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट 49 से 62 सीटें और बीजेपी के नेतृत्व वाला [illegible] 0 से 3 सीटें जीतेगा. पीपल्स पल्स के अनुसार, सत्ताधारी [illegible] 55 से 60 सीटें, [illegible] 75 से 85 सीटें और NDA 0-3 सीटें जीतने की स्थिति में है. JVC ने अनुमान लगाया कि DF 72 से 84 सीटें, LDF 52-60 सीटें और बीजेपी के नेतृत्व वाला NDA तीन से आठ सीटें जीतेगा.

**केरलम में नौ अप्रैल को हुए थे मतदान**

केरलम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान हुआ था और 78.27 प्रतिशत मतदान हुआ था. [illegible] ने 2021 के चुनाव जीते थे और राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने का ट्रेंड तोड़ा था. पिछले चुनाव [illegible] के लिए एक झटका थे और एग्जिट पोल के अनुमान कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के नेताओं के लिए राहत देने वाले हैं. LDF ने 2021 के चुनावों में 140 में से 99 सीटें जीती थीं, जबकि CPI-रू ने 62 सीटें जीती थीं. पिनाराई विजयन एक और कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने. हालांकि ये सभी एग्जिट पोल के अनुमान हैं. केरलम चुनाव के नतीजे 4 मई को तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनावों के नतीजों के साथ आएंगे. उसके बाद जनता का फैसला सभी के सामने आ जाएगा.

## संक्षिप्त ख़बरें

### हरिद्वार में महिला ने डॉगी को करवाया गंगा स्नान, टोका तो भड़की मच गया बवाल

आस्था और श्रद्धा की नगरी हरिद्वार से एक विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. मामला हरिद्वार के प्रसिद्ध सर्वानंद घाट का है, जहां एक महिला द्वारा अपने पालतू कुत्ते को गंगा में नहलाने पर भारी हंगामा खड़ा हो गया. आस्था के केंद्र में इस तरह की गतिविधि देखकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का गुस्सा फूट पड़ा. जानकारी के मुताबिक, एक महिला अपने परिवार के साथ हरिद्वार भ्रमण पर आई थी. इसी दौरान वह अपने पालतू कुत्ते को लेकर गंगा घाट पर पहुंची और उसे पवित्र जल में नहलाने लगी. घाट पर मौजूद अन्य श्रद्धालुओं ने जब इसे गंगा की मर्यादा के खिलाफ बताते हुए विरोध किया, तो महिला शांत होने के बजाय उल्टा लोगों पर ही भड़क गई. महिला और स्थानीय लोगों के बीच काफी देर तक तीखी बहस हुई. बहस को बढ़ता देख और लोगों के आक्रोश को भांपते हुए महिला के साथ आए परिजनों ने बीच-बचाव किया. परिजनों के समझाने के बाद महिला कुत्ते को लेकर तुरंत घाट से रवाना हो गई. हालांकि, यह घटना कब की है इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है, लेकिन सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में भारी नाराजगी है.

**तीर्थ पुरोहितों ने जताई आपत्ति**

मामले को लेकर तीर्थ पुरोहितों ने भी सख्त एतराज जताया है. तीर्थ पुरोहित उज्ज्वल पंडित ने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है. घाटों पर इस तरह की हरकतें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं. उन्होंने मांग की है कि प्रशासन को गंगा की गरिमा बनाए रखने के लिए ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और घाटों पर निगरानी बढ़ानी चाहिए. सोशल मीडिया पर यूजर्स भी प्रशासन से अपील कर रहे हैं कि पवित्र स्थलों पर पालतू जानवरों को नहलाने या गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो.

## पहले आधार दिखाओ, फिर मिलेगी एंट्री... अस्पताल के गेट पर 2 घंटे तड़पती रही महिला, इलाज के अभाव में तोड़ा दम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजस्थान के कोटा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक सड़क दुर्घटना में घायल महिला अस्पताल के बाहर करीब 2 घंटे तड़पती रही लेकिन उसे इलाज नहीं मिल सका. अस्पताल से करीब 75 किलोमीटर दूर सड़क हादसे में घायल एक महिला को 108 एंबुलेंस जिंदा हालत में अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन उसको सिर्फ इस बात पर इलाज नहीं मिला क्योंकि उसके साथ मौजूद लोग उसका आधार कार्ड नहीं दिखा सके. महिला अस्पताल के गेट पर तड़पती रही लेकिन उसे स्ट्रेचर तक नहीं दिया गया. इलाज के अभाव में महिला ने अस्पताल के गेट पर ही दम तोड़ दिया. मृतका की पहचान रणोदिया निवासी उर्मिला बाई (55) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 9 बजे गणेशगंज क्षेत्र के पास सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. 108 एंबुलेंस ने मौके पर पहुंचकर प्राथमिक उपचार दिया. पहले इटावा सीएचसी लेकर गई. वहां हालत गंभीर होने पर उन्हें कोटा के एमबीएस अस्पताल रेफर कर दिया गया. एंबुलेंस में तैनात EMT लीलाधर पारेता के अनुसार पूरे रास्ते महिला को ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया और फ्लूड चढ़ाया गया. करीब 11 बजे अस्पताल पहुंचने के बाद उम्मीद थी कि तुरंत इलाज मिलेगा, लेकिन इमरजेंसी गेट पर ही लापरवाही सामने आ गई.

**अस्पताल के गेट पर महिला की मौत**

एंबुलेंसकर्मी के मुताबिक, गेट पर स्ट्रेचर तक उपलब्ध नहीं था. जब एंबुलेंसकर्मी स्ट्रेचर लेने गया तो स्टाफ ने पहले आधार कार्ड मांगा. इमरजेंसी बताने के बाद किसी तरह स्ट्रेचर मिला और मरीज को अंदर ले जाया गया. अंदर मौजूद मेडिसिन रेजिडेंट ने इसे सर्जरी का केस बताते हुए सर्जरी डॉक्टर के नहीं होने की बात कही और इंतजार करने को कहा. इस दौरान महिला की हालत लगातार बिगड़ती रही. लीलाधर का आरोप है कि उसने बार-बार मरीज की हालत बिगड़ने की जानकारी दी. बीपी और ऑक्सीजन लेवल गिरने की बात कही, ऑक्सीजन और मॉनिटर लगाने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने ध्यान दिया. उल्टा उसे बाहर जाने के लिए कहा गया, और कुछ देर बाद महिला ने दम तोड़ दिया.

**महिला की मौत के बाद जागे अस्पताल अधीक्षक**

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल अधीक्षक डॉ. धर्मराज मीणा और उपाधीक्षक डॉ. कर्णेश गोयल मौके पर पहुंचे. हालात देखकर अधीक्षक ने नाराजगी जताई, स्टाफ को फटकार लगाई और इमरजेंसी गेट पर स्ट्रेचर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. हालांकि, यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले 23 मार्च को भी एक बुजुर्ग मरीज को गोद में अस्पताल लाया गया था, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले उनकी मौत हो गई थी. एमबीएस अस्पताल की इमरजेंसी सेवाओं पर लगातार उठ रहे सवाल चिकित्सा व्यवस्था की सच्चाई उजागर कर रहे हैं. 75 किलोमीटर दूर से मरीज जिंदा पहुंच सकता है, लेकिन अस्पताल के गेट पर जान चली जाए, तो यह पूरे सिस्टम पर बड़ा सवाल है.

## केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने [illegible] मुख्यालय का किया दौरा, इंतजामों का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को NEET UG 2026 परीक्षा के ऑन-ग्राउंड कंडक्ट का जायजा लेने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) के हेडक्वार्टर का दौरा किया. इस दौरे के दौरान मंत्री ने परीक्षा लॉजिस्टिक्स, सेंटर्स के साथ कोऑर्डिनेशन और देश भर में बिना किसी रुकावट के परीक्षा कराने के लिए बनाए गए मॉनिटरिंग सिस्टम सहित ऑपरेशन से जुड़े जरूरी पहलुओं की देखरेख की. अधिकारियों ने उन्हें बड़ी संख्या में कैंडिडेट्स को संभालने और परीक्षा की जगहों पर अनुशासन बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया. इससे पहले धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को NEET UG परीक्षा देने वाले छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें शांत और फोकस्ड रहने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि मेडिकल प्रोफेशन दया, सेवा और जीवन भर सीखने के बारे में है, और उम्मीद जताई कि सभी उम्मीदवार आत्मविश्वास के साथ अच्छा करेंगे.

**कैंडिडेट्स को मंत्री ने दी शुभकामनाएं**

सोशल साइट एक्स पर एक पोस्ट में प्रधान ने लिखा, 'आज NEET UG परीक्षा देने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं. शांत, फोकस्ड रहें और अपना बेस्ट दें. मेडिकल प्रोफेशन दया, सेवा और सीखने के लिए जीवन भर के कमिटमेंट के लिए जाना जाता है. प्रत्येक उम्मीदवार को एक सार्थक कदम उठाने के लिए स्पष्टता और आत्मविश्वास की शुभकामनाएं. 'NEET UG 2026 परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी लगभग 23 लाख रजिस्टर्ड कैंडिडेट्स के लिए करा रही है. यह परीक्षा देश भर के सेंटर्स पर कड़े प्रोटोकॉल के तहत हो रही है.

**परीक्षा इंतजामों का केंद्रीय मंत्री ने लिया जायजा**

विकलांग उम्मीदवारों के लिए अतिरिक्त समय सहित विशेष प्रावधान किए गए हैं, जबकि परीक्षा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए 2 लाख से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है. एक बयान में कहा गया है, 'परीक्षा भारत के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में, 5,432 से ज्यादा सेंटर्स पर हुई, जिसमें लगभग 22.79 लाख रजिस्टर्ड कैंडिडेट्स शामिल हुए, जिससे NEET (UG) 2026 दुनिया की सबसे बड़ी एंट्रेंस परीक्षाओं में से एक बन जाएगी. NEET UG भारत में सबसे बड़े अंडरग्रेजुएट एंट्रेंस एग्जाम में से एक है. यह देश भर के इंस्टीट्यूशन्स में MBBS, BDS और दूसरे जुड़े हुए मेडिकल प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए गेटवे का काम करता है.

## दुबई से तस्करी पर शिकंजा, मुंबई कस्टम्स ने 1.8 करोड़ के सोना-गैजेट्स पकड़े, एक तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई कस्टम्स ज़ोन-III के एयरपोर्ट कमिश्नरेट के अधिकारियों ने 1 और 2 मई 2026 के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करी के कई मामलों का खुलासा किया है. इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान, कॉस्मेटिक्स, सिगरेट और सोने की तस्करी से जुड़े मामलों में लाखों रुपये का माल जब्त किया गया. कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, स्पॉट और एपीआईएस (एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम) प्रोफाइलिंग के आधार पर कार्रवाई की. दो मामलों में दुबई से एमिरेट्स की फ्लाइट [illegible]-502 से आए दो यात्रियों के पास से कुल 84.37 लाख रुपये मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक आइटम,

कॉस्मेटिक सामान और सिगरेट बरामद किए गए. दुबई से आए यात्री से 95 लाख का सोना बरामदइनमें से एक मामले में जांच के दौरान अधिकारियों ने विमान की गहन तलाशी (रमेजिंग) ली, जिसमें विमान के पिछले हिस्से के दोनों शौचालयों के कमोड से भूरे टेप में लिपटे आठ पैकेट बरामद किए गए. इन पैकेट्स में छिपाकर सामान रखा गया था. इसके अलावा, एक अन्य मामले में दुबई से स्पाइसजेट की फ्लाइट [illegible]-5114 से आए एक यात्री के पास से 695 ग्राम 24 कैरेट कच्चा सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 95.32 लाख रुपये आंकी गई है. इस मामले में संबंधित यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है.

**एक यात्री गिरफ्तार, जांच शुरू**

कस्टम्स विभाग ने सभी मामलों में आगे की जांच शुरू कर दी है और तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है. इसके बाद यात्री को कस्टम्स एक्ट, 1962 के नियमों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया, और बड़े स्मगलिंग नेटवर्क और संभावित साथियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है

## चार बच्चों की हत्या के बाद फरार मां का नाले में मिला शव, उलझ गई अंबेडकरनगर हत्याकांड की गुत्थी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले से शनिवार को एक दर्दनाक हत्याकांड सामने आया है, जिसमें एक घर में चार मासूम बच्चों की लाश मिली थी. उस घर में उन बच्चों के अलावा सिर्फ मां गासिया खातून थीं. घटना के बाद मां का फोन बंद और वो गायब थी. पुलिस को शक था कि ये हत्या मां ने ही की है. इस हत्याकांड में रविवार को उस समय नया मोड़ जब गासिया खातून की लाश एक नाले में मिली. पुलिस मौके पर मौजूद है और जांच कर रही है। जिले के अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद मोहल्ले में चार मासूम बच्चों की हत्या मामले में रविवार को महरुआ के कसड़ा गांव का माहौल बेहद भारी नजर आया. दोपहर करीब एक बजे जैसे ही पोस्टमार्टम के बाद चारों मासूम बच्चों के शव गांव पहुंचे, पूरे इलाके में चीख-पुकार गूंज उठी. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और गांव का माहौल शोक में डूब गया. घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए.

**बच्चों के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी भीड़**

हर कोई बच्चों के अंतिम दर्शन के लिए घर के बाहर जमा हो गया. लोगों की भीड़ देर तक बनी रही और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा रहा. जोहर की नमाज के बाद चारों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया. एक साथ चार जनाजे उठने का दृश्य हर किसी को अंदर तक झकझोर गया. गांव के कब्रिस्तान में सऊद (12) और उमर (10) को एक साथ दफन किया गया, जबकि शफीक (14) और बयान (8) को पास में ही अलग-अलग सुपुर्द-ए-खाक किया गया.

**4 बच्चों के बाद मां को भी मिला शव**

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव व कई थानों की पुलिस उपस्थित रही. शनिवार को मीरानपुर मुरादाबाद में एक घर के अंदर चारों बच्चों के शव खून से लथपथ मिले थे. शुरुआती जांच में ईंट और हथौड़े से हमला कर हत्या की बात सामने आई थी. घर अंदर से बंद मिला था और मां गासिया खातून के लापता होने से उस पर हत्या शक गहराया था. आशंका जताई गई थी कि बच्चों को पहले नशीला पदार्थ दिया गया और फिर वारदात को अंजाम दिया गया. रविवार देर शाम मां का शव नाले में मिलने से पुलिस के लिए ये पांचों हत्याओं एक गुत्थी बन गई है.

# बरगी हादसा: जब सुरक्षा कागजों में और मौत हकीकत में निकली

**[ जल पर लिखी गई शोकगाथा: बरगी डैम की डूबी हुई दोपहर ]**

**[ चेतावनियों को निगल गया सिस्टम: बरगी हादसे की खौफनाक हकीकत ]**

जबलपुर, मध्यप्रदेश स्थित बरगी डैम पर 30 अप्रैल 2026 की शाम घटित क्रूज हादसा नर्मदा के शांत जल पर पसरी सामान्यता को अचानक भयावह त्रासदी में बदल गया। सैर-सपाटे और आनंद के बीच अचानक आए तेज तूफान ने क्रूज को पलट दिया, जिससे कई पर्यटक गहरे संकट में फंस गए। इस दुखद घटना में अब तक नौ लोगों की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जबकि कुछ लोग अब भी लापता हैं। एक मां और उसके चार वर्षीय पुत्र का एक साथ मिला शव इस हादसे की मार्मिकता को और अधिक पीड़ादायक बना देता है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि यह दुर्घटना केवल मौसम की मार नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्थाओं में गंभीर चूक का परिणाम है।

यात्रा शुरू होते ही सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियाँ सामने आने लगीं। लगभग 40 यात्रियों से भरा क्रूज आगे बढ़ते ही अचानक बदलते मौसम की चपेट में आ गया। सर्वाइवर्स के अनुसार तेज हवा शुरू होते ही उन्होंने बार-बार क्रूज को किनारे लौटाने की अपील की, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। सबसे बड़ी चूक यह रही कि लाइफ जैकेट पहले से उपलब्ध नहीं कराई गई और संकट बढ़ने पर ही जल्दबाजी में बांटी गई, जिससे अव्यवस्था फैल गई और कई लोग उन्हें ठीक से पहन भी नहीं सके। कुछ जैकेट्स की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। सर्वाइवर्स के अनुसार, आपात स्थिति में क्रू स्टाफ ने उचित मार्गदर्शन देने के बजाय पर्याप्त मदद नहीं की। कुछ सर्वाइवर्स और रिपोर्ट्स में ओवरलोडिंग के कारण क्रूज का संतुलन कमजोर होने का संदेह जताया जा रहा है।

यह दुर्घटना पर्यावरणीय नियमों की गंभीर अवहेलना को उजागर करती है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने नर्मदा जैसे संवेदनशील जल क्षेत्रों में डीजल चालित क्रूज और नावों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे उच्चतम न्यायालय ने भी बरकरार रखा, फिर भी बरगी डैम में इन नियमों की अनदेखी कर संचालन जारी रहा। इससे जल प्रदूषण बढ़ा, पारिस्थितिक संतुलन और यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ी। मौसम विभाग की तेज आंधी और तेज हवाओं (60-70 किमी प्रति घंटे) की चेतावनी के बावजूद इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। क्रूज को समय रहते रोका नहीं गया और न ही सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। साथ ही, रियल-टाइम मौसम अलर्ट और प्रभावी आपातकालीन व्यवस्था का अभाव इस त्रासदी को और भयावह बना गया।

लगातार दोहराई जा रही ये घटनाएं साफ दिखाती हैं कि चेतावनियों के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है। देश के पहाड़ी झीलों, समुद्री तटों और बांध क्षेत्रों में नाव दुर्घटनाएं बार-बार ओवरलोडिंग, लाइफ जैकेट की कमी, अप्रशिक्षित क्रू और मौसम चेतावनियों की अनदेखी के कारण होती रही हैं। बरगी हादसे में भी शुरुआती बचाव स्थानीय मछुआरों और लोगों ने किया, जबकि एसडीआरएफ और राहत दल देर से पहुंचे। यह स्थिति पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर कमजोरी को

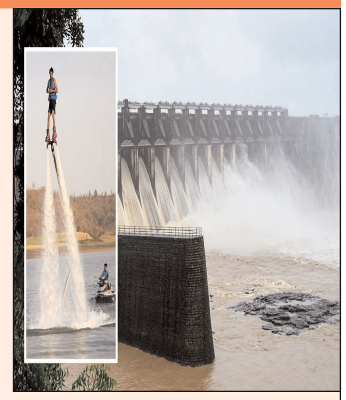

उजागर करती है। नावों के नियमित निरीक्षण, क्षमता सीमा का पालन और क्रू प्रशिक्षण जैसे बुनियादी नियम आज भी पर्याप्त गंभीरता से लागू नहीं किए जाते। इस भयावह दुर्घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए पूरे राज्य में क्रूज और बोट संचालन पर अस्थायी रोक लगा दी तथा विस्तृत जांच के आदेश जारी किए। मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है और घायलों के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कई घंटों तक चले बचाव अभियान में लगभग 27-28 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, फिर भी कुछ परिवार अपने लापता परिजनों की तलाश में व्याकुल हैं। यह आवश्यक है कि यह जांच केवल दोष निर्धारण तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे बोटिंग तंत्र में सुरक्षा, निगरानी और नियम पालन को मजबूत करने की दिशा में ठोस बदलाव लाए।

यह दुखद घटना इस सच्चाई को उजागर करती है कि पर्यटन को व्यावसायिक लाभ का साधन बनाते हुए मानव जीवन की सुरक्षा को अक्सर पीछे छोड़ दिया जाता है। कई स्थानों पर नावों का पंजीकरण, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और आपातकालीन योजनाएं केवल औपचारिक दस्तावेज बनकर रह जाती हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी पर्यावरण और जन सुरक्षा के प्रति गंभीर लापरवाही दिखाती है। यदि समय रहते क्रूज संचालन रोका जाता, लाइफ जैकेट पहले उपलब्ध कराई जातीं और मौसम चेतावनी पर कार्रवाई होती, तो इस त्रासदी को टाला जा सकता था। अब नौ परिवारों के उजड़ने के बाद सुधार की चर्चा हो रही है।

बरगी बांध की यह दुखद घटना अंततः एक सख्त संदेश छोड़ जाती है कि पर्यटन और विकास की दौड़ में सुरक्षा से समझौता अब किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकता। देश के सभी प्रमुख बांधों, झीलों और पर्यटन स्थलों पर तुरंत व्यापक सुरक्षा परीक्षण कराना आवश्यक है। हर यात्रा की शुरुआत से पहले लाइफ जैकेट का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित किया जाए और मौसम आधारित रियल-टाइम चेतावनी प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। डीजल क्रूज पर प्रतिबंधों का कठोर पालन हो तथा क्रू सदस्यों का नियमित प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए। ओवरलोडिंग पर सख्त दंड व्यवस्था लागू कर, निजी और सरकारी दोनों ऑपरेटरों की समान जवाबदेही तय करना अब अनिवार्य है।

बरगी की यह भयावह त्रासदी समय के पन्नों पर एक गहरी टीस छोड़ गई है, जिसे भुलाना संभव नहीं। मां और मासूम पुत्र का एक साथ मिला दृश्य तथा नौ निर्दोष जिंदगियों का असमय अंत यह कठोर सत्य सामने लाता है कि सुरक्षा में जरा-सी भी चूक विनाश का रूप ले सकती है। यदि अब भी चेतना नहीं जागी और ठोस सुधार लागू नहीं हुए, तो ऐसी घटनाओं को रोक पाना असंभव होगा। अब समय आ गया है कि पर्यटन को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि पूर्ण सुरक्षा, उत्तरदायित्व और सख्त नियंत्रण के साथ संचालित किया जाए, ताकि सुकून की तलाश में निकले लोग लापरवाही की भेंट न चढ़ें। यह त्रासदी व्यवस्था में निर्णायक और व्यापक परिवर्तन की अनिवार्य पुकार बन चुकी है।

**प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'**

# गुजरा एक और मई दिवसः लेकिन समस्याओं से ग्रस्त, खुशियों से दूर, भी मजदूर

**जो भी गरीब वही मजदूर या भिखारी**

**गरीबी शब्द ही मजदूर दिवस जैसे शब्द का सृजक**

**अमेरिका में मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव 1 मई 1889 को लागू हुआ, लेकिन भारत में शुरुआत हुई लगभग 34 साल बाद**

हर साल की तरह इस बार भी एक मई यानी मजदूर दिवस मनाया गया। रैलियां निकल गई। सभाएं हुई। समस्याओं के खिलाफ संघर्ष का ऐलान किया गया। ठीक सब कुछ वैसा ही जैसा मई यानी मजदूर दिवस पर हर साल किया जाता है। और शायद भविष्य में भी हमेशा ऐसा ही किया जाता रहेगा। इसके संदर्भ में यह भी मानना अनुचित नहीं होगा कि गरीबी शब्द ही मजदूर दिवस जैसे शब्द का सृजक है। और अगर गरीबी नहीं होती तो शायद मजदूर दिवस मनाया जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। एक हिसाबसे हम सभी मजदूर ही हैं बस अंतर इतना है। कोई अमीर मजदूर है तो कोई गरीब मजदूर है। - - और इनमें अमीर मजदूरों से ज्यादा है गरीब मजदूर। यह मई दिवस उन्हें गरीब मजदूरों का है। और यह हमेशा यूं ही मनाया जाता रहेगा क्योंकि ऐसा नहीं लगता कि गरीब मजदूरों की संख्या अमीर मजदूरों से ज्यादा हो जाएगी। यहां अमीर मजदूर का मतलब उन सभी से है जो गरीब मजदूरों की तरह आज भी भूखे पेट नहीं सोते। जो आज भी बुनियादी सुविधाओं से दूर हैं। जिन्हें आज भी अपनी बेटियों की शादी करने के लिए भीख मांगनी पड़ती है।

गंभीर बीमारियों के इलाज के अभाव में पैसे की वजह से जो आज भी दम तोड़ देते हैं। ईद पत्थर ढोये बगैर ,रिक्शा चलाए बगैर, बोझ उठाये बगैर और फावड़ा या हल चलाएं बगैर भूखे पेट सोने या नंगे बदन रहने को मजबूत होते हैं।

संक्षेप में यह भी कहा जा सकता है कि, जिनके सपने रहते हमेशा चूर-चूर है, वो और कोई नहीं साहब, लोगों के शौक पूरे करने वाला एक मजदूर है।

जैसा कि सर्व विदित है कि इन मजदूरों और श्रमिकों को सम्मान देने के उद्देश्य से हर साल दुनिया भर में मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूरों के नाम समर्पित यह दिन 1 मई है। मजदूर दिवस को 'लेबर डे, श्रमिक दिवस या मई डे' के नाम से भी जाना जाता है। श्रमिकों के सम्मान के साथ ही मजदूरों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने के उद्देश्य से भी इस दिन को मनाते हैं, ताकि मजदूरों की स्थिति समाज में मजबूत हो सके। मजदूर किसी भी देश के विकास के लिए अहम भूमिका में होते हैं। हर कार्य क्षेत्र मजदूरों के परिश्रम पर निर्भर करता है। मजदूर किसी भी क्षेत्र विशेष को बढ़ावा देने के लिए श्रम करते हैं। हर बार मजदूर दिवस की एक थीम होती है, जिसके आधार पर इन दिन को मनाया जाता है। इस वर्ष मजदूर दिवस 2024 की थीम 'जलवायु परिवर्तन के बीच काम की जगह पर श्रमिकों के स्वास्थय और सुरक्षा को सुनिश्चित करना।' लेकिन यहां कितना हो पाएगा या सब कुछ करने वालों की मंशा पर ही निर्भर करता है ।

अवगत कराते चलें कि पहली बार मजदूर दिवस 1889 में मनाने का फैसला लिया गया। इस दिन को मनाने की रूपरेखा अमेरिका के शिकागो शहर से बनने लगी थी, जब मजदूर एक होकर सड़क पर उतर आए थे। 1886 से पहले अमेरिका में आंदोलन की शुरुआत हुई थी। इस आंदोलन में अमेरिका के मजदूर सड़कों पर आ गए। अपने हक के लिए मजदूर हड़ताल पर बैठ गए। इस आंदोलन का कारण मजदूरों की कार्य अवधि थी। उस दौरान मजदूर एक दिन में 15-15 घंटे काम करते थे। आंदोलन के दौरान मजदूरों पर पुलिस ने गोली चला दी। इस दौरान कई मजदूरों की जान चली गई। सैकड़ों श्रमिक घायल हो गए। इस घटना के तीन साल बाद 1889 में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन की बैठक हुई। इस बैठक में तय किया गया कि हर मजदूर से प्रतिदिन 8 घंटे ही काम लिया जाएगा। वहीं सम्मेलन के बाद 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का फैसला लिया गया। इस दिन हर साल मजदूरों को छुट्टी देने का भी फैसला लिया गया। बाद में अमेरिका के मजदूरों की तरह अन्य कई देशों में भी 8 घंटे काम करने के नियम को लागू कर दिया गया। अमेरिका में मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव 1 मई 1889 को लागू हुआ, लेकिन भारत में इस दिन को मनाने की शुरुआत लगभग 34 साल बाद हुई। भारत में भी मजदूर अत्याचार और शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। मजदूरों का नेतृत्व वामपंथी कर रहे थे। उनके आंदोलन को देखते हुए 1 मई 1923 में पहली बार चेन्नई में मजदूर दिवस मनाया गया। लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान की अध्यक्षता में मजदूर दिवस मनाने की घोषणा की गई। कई संगठन और सोशल पार्टी ने इस फैसले का समर्थन किया। लेकिन आज के परिवेश में मजदूर दिवस मनाना न : : तएक खाना पूरी जैसा है क्योंकि मजदूर की वास्तविक परिभाषा में आने वाला व्यक्ति आज भी अपनी समस्याओं को लेकर हताश निराश और परेशान है।

**प्रस्तुति : सुनील बाजपेई**

# वर्ल्ड लाफ्टर डे: बिना वजह हँसिए, क्योंकि यही असली जीना है

**हँसी: वह भाषा, जो दर्द को भी समझना सिखा देती है**

**हँसी को कारण मत दीजिए, इसे जीने का हिस्सा बनाइए**

चेहरे पर जमी थकान की परतें और आँखों में ठहर गया तनाव कई बार मुस्कान को भी एक औपचारिक अभिनय जैसा बना देते हैं। इसी बीच 04 मई को मनाया जाने वाला वर्ल्ड लाफ्टर डे समय की धारा में एक ऐसा विराम बनकर आता है, जो मन के भीतर जमा बोझ को हिलाकर हल्कापन की ओर मोड़ देता है। यह स्पष्ट करता है कि मनुष्य केवल जिम्मेदारियों का बोझ ढोने वाला अस्तित्व नहीं है, बल्कि उसके भीतर एक सहज, जीवंत और स्वतः प्रकट होने वाली ऊर्जा छिपी होती है, जो बिना किसी कारण पूरे वातावरण को हल्का कर सकती है। हँसी कोई सजावटी भाव नहीं, बल्कि भीतर जमे तनाव को पिघलाकर जीवन को पुनः सरल, खुला और सांस लेने योग्य बनाने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया है।

मुंबई के एक साधारण पार्क की जमीन पर खड़ा वह छोटा-सा प्रयोग आज दुनिया के कोने-कोने में फैल चुकी एक शांत लेकिन गहरी क्रांति का रूप ले चुका है। डॉ. मदन कटारिया ने जब हँसी को बिना किसी चुटकुले, बिना मंच और बिना प्रदर्शन के एक साधना के रूप में प्रस्तुत किया, तब यह विचार लोगों को असामान्य और नया लगा था। लेकिन समय के साथ यह पहल केवल अभ्यास नहीं रही, बल्कि हजारों लोगों की दिनचर्या में शामिल होने लगी। आज अनेक देशों में सुबह के समय लोग समूह बनाकर बिना किसी कारण के हँसते हैं। यह दृश्य साधारण मनोरंजन से आगे बढ़कर एक मानसिक पुनर्जागरण जैसा प्रतीत होता है, जहाँ हर व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए अपने भीतर जमा तनाव और बोझ को छोड़कर हल्केपन का अनुभव करता है।

शरीर के भीतर चल रही सूक्ष्म प्रक्रियाओं पर यदि ध्यान दिया जाए तो हँसी एक ऐसी शक्ति प्रतीत होती है, जिसका असर किसी अदृश्य उपचार से कम नहीं होता। जब व्यक्ति खुलकर हँसता है, तो भीतर तनाव उत्पन्न करने वाले तत्व धीरे-धीरे कम होने लगते हैं और मन में हल्कापन बढ़ने लगता है। श्वास की लय बदल जाती है, हृदय की गति संतुलित होने लगती है और मानसिक दबाव धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। इसी कारण अनेक चिकित्सकीय अध्ययन हँसी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानते हैं। यह बिना किसी लागत के प्राप्त होने वाली ऐसी प्राकृतिक ऊर्जा है, जो शरीर और मन दोनों को संतुलन और स्थिरता की दिशा में ले जाती है।

हँसी का सबसे विलक्षण गुण यही है कि उसे समझने के लिए किसी शब्द या अनुवाद की आवश्यकता नहीं पड़ती। एक ठहाका दुनिया के किसी भी कोने में समान अर्थ और समान प्रभाव रखता है, चाहे वह किसी भी संस्कृति या समाज से जुड़ा हो। जब दो अनजान लोग भी एक साथ हँस पड़ते हैं, तो उनके बीच की अनदेखी दूरी कुछ ही क्षणों में मिटने लगती है। इसी वजह से वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह जाता, बल्कि मानवता को जोड़ने वाला एक सशक्त सेतु बन जाता है। यह दिन यह भी स्पष्ट करता है कि दुनिया को एकजुट करने के लिए बड़े-बड़े शब्दों की नहीं, बल्कि सच्ची, सहज और दिल से निकली मुस्कान की आवश्यकता होती है।

डिजिटल युग में हँसी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। मोबाइल स्क्रीन, छोटे वीडियो और मीम्स ने मनोरंजन को आसान जरूर बना दिया है, लेकिन असली हँसी धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। वास्तविक हँसी केवल चेहरे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे शरीर को हल्का और तरोताजा कर देती है। यह दिन याद दिलाता है कि हँसी देखने या पढ़ने की चीज नहीं, बल्कि जीने की अनुभूति है। जब परिवार या मित्रों के बीच बिना कारण ठहाके गूंजते हैं, तो वही पल जीवन की सबसे सच्ची याद बन जाते हैं।

न उम्र की दीवार, न पद की पहचान—हँसी हर इंसान के भीतर समान रूप से धड़कती एक सहज शक्ति है, जो बस बाहर आने का रास्ता चाहती है। लाफ्टर क्लबों में जब लोग बिना किसी कारण ठहाके लगाने लगते हैं, तो वह शुरुआत में अभ्यास लगता है, लेकिन कुछ ही समय में वही हँसी सच्ची प्रसन्नता में बदलकर मन का भार उतार देती है। धीरे-धीरे यह स्थिति आदत नहीं, स्वभाव बन जाती है, जो भीतर जमा तनाव को हल्केपन में बदल देती है। यह अनुभव साफ कर देता है कि खुशी बाहर तलाशने की चीज नहीं, बल्कि भीतर ही मौजूद वह ऊर्जा है जिसे केवल जगाने की जरूरत होती है। सामाजिक जीवन में हँसी एक अदृश्य मरहम की तरह काम करती है, जो रिश्तों की कठोरता को सहज ही नरम कर देती है। जहाँ तनाव बढ़ता है, वहाँ एक हल्की मुस्कान भी पूरे माहौल की दिशा बदल सकती है। कार्यस्थलों पर हल्कापन रहने से संवाद सहज होता है और सहयोग बढ़ता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक दिन नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार को नई दिशा देने का अवसर है। जब लोग साथ हँसते हैं, तो उनके बीच की अनदेखी दीवारें कमजोर होती हैं और विश्वास मजबूत होकर समाज को सकारात्मक बनाता है।

जीवन की भीड़ में अक्सर लोग गंभीरता को ही सब कुछ मान लेते हैं, लेकिन असली संतुलन हँसी में छिपा होता है। यह बिना किसी मूल्य के मिलने वाली वह शक्ति है जो मन के अंधकार को घटाकर रिश्तों में सहज गर्माहट भर देती है। जब इंसान हँसना सीख लेता है, तो उसका नजरिया बदल जाता है और जीवन को देखने का ढंग भी नया हो जाता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे यही संदेश देता है कि गंभीरता जरूरी है, पर हल्कापन उससे भी ज्यादा आवश्यक है। हँसी वह ऊर्जा है जो इंसान को भीतर से जीवित रखती है और दुनिया को अधिक मानवीय बनाती है।

**कृति आरके जैन**

# कविता

**संजीव-नी।**

जैसे तू है कहीं आसपास मेरे।

एहसास की नाजुकी पास मेरे,
ऐसे कुछ लम्हे ही खास मेरे

नजरों की खुशबू,नम एहसास,
जैसे तू है कहीं आसपास मेरे।

पुरनम सांसें जब आई मुझ तक,
साथ नम ओंठों की नमी पास मेरे।

जान कर भी जान न पाया तुझको,
न आई अधरों की खामोशी रास मेरे।

जुल्फों में छुपकर सूरज शर्मा गया,
आंखों की शराफत तेरी पास मेरे।

तेरी ऐसी बेरुखी भी मुझसे है गजब
झुठलानें आओ तो सही पास मेरे।

**संजीव ठाकुर**

# पश्चिम बंगाल में भाजपा-तो मुख्यमंत्री कौन?

देश के इतिहास में पहली बार पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान 92 प्रतिशत से अधिक रिकॉर्ड मतदान ने सभी पूर्वानुमानों और एग्जिट पोल को नई दिशा दे दी है। अधिकांश सर्वेक्षणों में प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के राज्य में पहली बार सरकार बनाने के दावे सामने आ रहे हैं। यह परिदृश्य न केवल राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि राज्य की बदलती जन-चेतना का भी संकेत देता है। चुनाव पूर्व मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और न्यायिक चुनौतियाँ भी पेश कीं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ी। अनुमान है कि लाखों ऐसे लोग, जो अपने नागरिकता संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, मतदान सूची से बाहर रह गए। इस पृष्ठभूमि में हुई बंपर वोटिंग को कई विश्लेषक मतदाता सूची के शुद्धिकरण का परिणाम मान रहे हैं, जिससे सूची में शामिल मतदाताओं ने निर्भीक होकर मतदान किया।

ऐतिहासिक रूप से देखें तो पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कर्मभूमि और श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जन्मस्थली रहा है, फिर भी यह विडंबना ही रही कि भाजपा को अब तक राज्य में सत्ता का अवसर नहीं मिला। 2014 के बाद पार्टी ने यहां अपनी पकड़ मजबूत की और एक दशक के भीतर वाम दलों तथा कांग्रेस को पीछे छोड़ते हुए मुख्य विपक्षी दल बन गई। अगर मतगणना के नतीजे भाजपा के पक्ष में आते हैं, तो सबसे बड़ा प्रश्न होगा—राज्य का पहला भाजपा मुख्यमंत्री कौन बनेगा? इस दौड़ में कई नाम चर्चा में हैं। तृणमूल कांग्रेस से आए प्रभावशाली नेता सुवेंदु अधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य, युवा सांसद निशीथ प्रमाणिक और लोकप्रिय महिला चेहरा लॉकेट चटर्जी प्रमुख दावेदारों के रूप में देखे जा रहे हैं।

हालांकि, भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए किसी नए या अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरे को आगे लाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। इतना निश्चित है कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो मुख्यमंत्री का चेहरा ऐसा होगा जो बंगाल की माटी, संस्कृति और सामाजिक संरचना से गहराई से जुड़ा हो। पश्चिम बंगाल का यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की संभावना भर नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक दिशा में संभावित बड़े बदलाव का संकेत भी है। अब सबकी निगाहें मतगणना पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि बंगाल की जनता किसे अपना नेतृत्व सौंपती है।

**अरविंद रावल**

# आनंद और अवसाद और सुख और पीड़ा, जीवन के अलग-अलग सोपान

सुख और दुख दो ऐसे सोपान हैं जिन पर चलकर ही मनुष्य अपनी संपूर्णता को समझ पाता है। जीवन कभी एक सीधी रेखा की तरह नहीं चलता, उसमें उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख, आशा-निराशा, संभावनाएं और आशंकाएं निरंतर एक-दूसरे में गुंथी रहती हैं। जैसे प्रकृति में दिन और रात का क्रम है, जैसे ऋतुएं बदलती हैं, वैसे ही मनुष्य के भीतर भी भावनाओं का आवागमन होता रहता है। यदि केवल आनंद ही होता तो उसकी पहचान भी संभव नहीं होती और यदि केवल अवसाद ही होता तो जीवन का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाता, इसलिए इन दोनों का सह-अस्तित्व ही जीवन को अर्थ देता है।

गौतम बुद्ध ने अपने उपदेशों में कहा कि जीवन दुःखों से भरा है, परंतु उससे मुक्ति का मार्ग भी संभव है। यह दृष्टिकोण हमें यह समझाता है कि अवसाद स्थायी सत्य नहीं बल्कि एक परिवर्तनशील अवस्था है जिसे समझकर पार किया जा सकता है, इसी तरह स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध आह्वान 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए' जीवन के संघर्षों के बीच आशा की ज्योति बनकर मार्ग दिखाता है, जब मनुष्य अवसाद में डूबता है तब उसे लगता है कि सब कुछ समाप्त हो गया है, परंतु यही वह क्षण होता है जब भीतर छिपी शक्ति जागृत हो सकती है, इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तित्वों ने गहरे अवसाद और संघर्षों को पार करके ही ऊंचाइयों को छुआ है, अब्राहम लिंकन का जीवन इसका सशक्त उदाहरण है, उन्होंने अनेक बार असफलताओं का सामना किया, चुनावों में हार का सामना किया, व्यक्तिगत जीवन में गहन पीड़ा झेली,

फिर भी उन्होंने अपने संकल्प को नहीं छोड़ा और अंततः वे अमेरिका के राष्ट्रपति बने, यह हमें सिखाता है कि अवसाद अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत का द्वार भी हो सकता है। इसी प्रकार महात्मा गांधी ने कहा था कि मनुष्य अपने विचारों से निर्मित प्राणी है, वह जैसा सोचता है वैसा बन जाता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि आनंद और अवसाद दोनों का मूल हमारे भीतर है, परिस्थितियां बाहरी होती हैं परंतु उनका प्रभाव हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करता है, यदि हम सकारात्मक दृष्टि बनाए रखें तो कठिन परिस्थितियों में भी आशा की किरण दिखाई देती है। जीवन में सुख के क्षण हमें ऊर्जा और उत्साह देते हैं जबकि दुःख के क्षण हमें धैर्य, सहनशीलता और गहराई प्रदान करते हैं, यदि केवल आनंद ही हो तो मनुष्य सतही बन सकता है और यदि केवल अवसाद ही हो तो वह टूट सकता है, परंतु इन दोनों के संतुलन से ही वह परिपक्व और संवेदनशील बनता है। आधुनिक समय में अवसाद एक गंभीर सामाजिक और मानसिक समस्या के रूप में उभर रहा है, तेज प्रतिस्पर्धा, अकेलापन, सामाजिक अपेक्षाएं और असफलता का भय मनुष्य को भीतर से कमजोर कर रहा है, ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि अवसाद कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक संकेत है कि हमें अपने भीतर झांकने और स्वयं को समझने की आवश्यकता है। रवीन्द्रनाथ ठाकुर की पंक्ति यदि तुम रोओगे क्योंकि सूर्य अस्त हो गया है, तो तुम तारों को नहीं देख पाओगे । जीवन के गहन सत्य को उद्घाटित करती है कि हर अंत के भीतर एक नई शुरुआत छिपी होती है, आनंद और अवसाद दोनों ही हमारे शिक्षक हैं, आनंद हमें कृतज्ञता और संतोष सिखाता है जबकि अवसाद हमें आत्ममंथन और आत्मबोध की ओर ले जाता है,

जब मनुष्य अपने दुःख को समझता है तो वह दूसरों के दुःख को भी अनुभव करने लगता है और यहीं से करुणा, संवेदनशीलता और मानवता का विकास होता है, इसलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि अवसाद भी जीवन का एक आवश्यक अध्याय है, यह हमें भीतर से मजबूत बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा है, जीवन की यात्रा में अनेक मोड़ आते हैं, कभी सफलता मिलती है तो कभी असफलता, कभी संबंधों में मधुरता होती है तो कभी कटुता, कभी आशाएं पंख फैलाती हैं तो कभी आशंकाएं मन को घेर लेती हैं, परंतु इन सबके बीच यदि हम संतुलन बनाए रखें, धैर्य और विश्वास को थामे रखें और यह समझें कि हर स्थिति अस्थायी है तो हम जीवन को अधिक सहजता और संतुलन के साथ जी सकते हैं।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि सपने वो नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो होते हैं जो हमें सोने नहीं देते है। यह कथन आशा और संभावनाओं की शक्ति को दर्शाता है, जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, यदि हमारे भीतर एक लक्ष्य और एक विश्वास जीवित है तो हम हर अवसाद को पार कर सकते हैं,

अंततः जीवन एक निरंतर बहती हुई धारा है जिसमें आनंद और अवसाद दोनों ही लहरों की तरह आते-जाते रहते हैं, हमें इन लहरों से डरना नहीं बल्कि इनके साथ संतुलन बनाकर चलना सीखना है, अपने भीतर आशा का दीप जलाए रखना है और यह विश्वास बनाए रखना है कि हर अंधेरी रात के बाद एक उजली सुबह अवश्य आती है, यही विश्वास जीवन को सार्थक, सुंदर और पूर्ण बनाता।

**संजीव ठाकुर**

**स्वामी–** स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

## संक्षिप्त खबरें

### 2 मई 2026 को जिला विद्यालय कार्यालय पर आयोजित शोक सभा के बाद धरना स्थगित कर दिया गया

**लखनऊ।** लखनऊ राजधानी में 02 मई, 2026 लखनऊ के पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक एवं वर्तमान में जिला निरीक्षक गोरखपुर डा. अमर कान्त सिंह का आज लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में आकस्मिक निधन हो जाने के कारण आज 2 मई, 2026 को जिला विद्यालय कार्यालय पर आयोजित शोक सभा के बाद धरना स्थगित कर दिया गया। संयुक्त शिक्षा निदेशक, लखनऊ मंडल डा. प्रदीप कुमार से धरना स्थल पर डा. अमरकांत सिंह के निधन की सूचना पाकर जिला संगठन की ओर से प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा. आर.पी. मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, प्रदेशीय मंत्री डा. आर.के. त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चंद्र ने मेदांता हॉस्पिटल पहुंच कर डा. अमरकांत सिंह को श्रद्धांजलि दी। मेदांता हॉस्पिटल से सायं लगभग 2:30 बजे पदाधिकारियों के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना स्थल पर पहुंचने पर एक शोक सभा हुई तथा उसके बाद धरना स्थगित कर दिया गया। डा. आर.पी. मिश्र प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता एवं संरक्षक लखनऊ, डा. आर.के. त्रिवेदी प्रदेशीय मंत्री, अनिल शर्मा जिलाध्यक्ष, महेश चंद्र जिलामंत्री, आर.पी. सिंह कोषाध्यक्ष आलोक पाठक आय-व्यय निरीक्षक, डा. मीता श्रीवास्तव-सदस्य राज्य कार्यकारिणी आदि उपस्थित रहे।

### साहब, पिता के परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कर आंगनबाड़ी सहायिका ले रही सरकारी योजनाओं का लाभ

**लालगंज (रायबरेली)।** तहसील सभागार में शनिवार को तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। जहां फर्जी तरीके से परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का आरोप लगा है। सूदन खेड़ा मोहल्ला निवासी सुनीता देवी ने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उन्नाव जनपद के पुरवा तहसील क्षेत्र अंतर्गत धनोखर मवई गांव की रहने वाली सतरूपा ने कथित रूप से नगर पंचायत कर्मियों की मिलीभगत से उनके पिता के परिवार रजिस्टर में अपना नाम दर्ज करा लिया। आरोप है कि इसी आधार पर वह विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रही है। पीड़िता के मुताबिक आरोपी महिला मूल रूप से उन्नाव की निवासी है और वहीं आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर कार्यरत है। ऐसे में दूसरे परिवार के रजिस्टर में नाम दर्ज कराना गंभीर अनियमितता को दर्शाता है। सुनीता देवी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। इस प्रकार संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 24 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि शेष मामलों के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों की टीम गठित कर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सीओ अमित सिंह, नायब तहसीलदार ऋतुराज नागर, एसडीओ शिवम वर्मा, मनोज दीक्षित, उमाकांत तिवारी, प्रियम पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

### संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

**महमूदाबाद-सीतापुर-** स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहरौली में शनिवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 24 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका हुआ पाया गया। घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप व्याप्त है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने साक्ष्य संकलन की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। ?मृतक की पहचान महेंद्र कुमार (24 वर्ष) पुत्र जयकरण सिंह वर्मा, निवासी ग्राम बहरौली के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महेंद्र अविवाहित था और स्थानीय प्लाईवुड फैक्ट्री में श्रमिक के रूप में कार्यरत था। परिजनों ने बताया कि शनिवार प्रातः वह नित्य कर्म हेतु घर से बाहर निकला था, किंतु काफी देर तक वापस न लौटने पर जब खोजबीन की गई, तो गांव से कुछ दूरी पर स्थित एक खेत में उसका शव पेड़ से लटका मिला। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है। भूमि विवाद की आशंका के चलते परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए इसे भूमि विवाद से जोड़कर देखा है। परिजनों का आरोप है कि मृतक का काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। विगत तीन दिन पूर्व भी इसी विवाद को लेकर दो पक्षों के मध्य तीखी नोकझोंक हुई थी। उक्त विवाद के संदर्भ में पुलिस ने पूर्व में कुछ संदिग्धों को पूछताछ हेतु तलब भी किया था।

# IPL की आड़ में सट्टेबाजी का काला खेल

**● पूर्व सपा छात्र सभा के विधानसभा अध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महमूदाबाद-सीतापुर।** इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के रोमांच के बीच महमूदाबाद क्षेत्र में अवैध सट्टेबाजी का कारोबार अपने चरम पर है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर समाजवादी छात्र सभा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक वर्मा 'राणा' ने उप जिलाधिकारी (SDM) को एक ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुआ और सट्टेबाजी का अवैध संचालन हो रहा है। इसकी चपेट में सबसे ज्यादा स्थानीय युवा आ रहे हैं। सट्टे की लत के कारण युवा न केवल आर्थिक रूप से बर्बाद हो रहे हैं, बल्कि वे भारी कर्ज के जाल में भी फंसते जा रहे हैं। पत्र में चिंता व्यक्त की गई है कि यह स्थिति युवाओं को अपराध की दुनिया की ओर धकेल रही है। शिकायती पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि सट्टेबाजी की गतिविधियां क्षेत्र में खुलेआम संचालित हो रही हैं, जिससे स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सट्टेबाजी के कारण परिवारों में आपसी तनाव और विवाद की घटनाएं भी बढ़ गई हैं, जिससे सामाजिक ताना-बाना प्रभावित हो रहा है। विदित हो कि महमूदाबाद के रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी प्रबल जैन (32) ने जनेश्वर एन्क्लेव अपार्टमेंट की 11वीं मंजिल से लखनऊ में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इस संबंध में पुलिस को मिले सुसाइड नोट में प्रबल ने आईपीएल सट्टे में लाखों रुपये हारने और इसकी लत से परेशान होने का जिक्र भी किया था। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अभिषेक वर्मा 'राणा' ने प्रशासन से अपील की है कि क्षेत्र में सक्रिय सट्टेबाजी के अड्डों पर तत्काल छापेमारी की जाए। सट्टा संचालित करने वाले गिरोहों और मुख्य अभियुक्तों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। भविष्य में ऐसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद, सम्पूर्ण समाधान दिवस के प्रभारी अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभाग को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। क्षेत्रीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि पुलिस प्रशासन जल्द ही इस अवैध कारोबार पर लगाम लगाएगा।

## मायावती को सता रही महंगाई की चिंता, सरकार को दे दी नसीहत

**लखनऊ।** बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कमर्शियल (व्यावसायिक) सिलिंडर की कीमतें बढ़ने पर चिंता जताई है। बसपा सुप्रीमो ने महंगाई बढ़ने की आशंका जताते हुए केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के चुनाव के दौरान कीमतें नियंत्रण में रखने को अपनाई गई नीति को जारी करने की मांग की है। मायावती ने शनिवार को एक्स पर लिखा, 'कमर्शियल सिलिंडर की भारी किल्लत के बीच उसकी कीमत में एक मुश्त 993 रुपयों की वृद्धि और उसके लोगों पर पड़ रहे प्रभाव की खबरें सुर्खियों में हैं। लोग इस आशंका में बेचैन हैं कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल व डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ेंगी। इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका-इजराइल का ईरान पर युद्ध हो या कुछ और, सरकार ने जिस तरह राज्यों के विधान सभा चुनाव के मद्देनजर पेट्रोलियम पदार्थों आदि की कीमत को काफी कुछ नियंत्रण में रखा, जनहित में उस नीति को वर्तमान में भी जारी रखना चाहिए।' उन्होंने आगे लिखा, 'पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने के कारण पहले से ही महंगाई से त्रस्त गरीब व मध्यम वर्गों के लोगों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, इसका आकलन करके ही सरकार अपनी नीतियों का निर्धारण करना करे।'

# अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

**● दो गंभीर रूप से घायल, देर से पहुंची एम्बुलेंस पर उठे सवाल**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महराजगंज (रायबरेली):** इंहौना-महराजगंज रोड पर शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मोन गांव के पास रात करीब 9 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने तीन मोटरसाइकिल सवारों को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे।

स्थानीय लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस सेवा को फोन किया, लेकिन करीब एक घंटे तक एम्बुलेंस के न पहुंचने से लोगों में आक्रोश फैल गया। हालात गंभीर होते देख ग्रामीणों और पुलिस ने खुद ही घायलों को मोटरसाइकिल और पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। सीएचसी में मौजूद चिकित्सक डॉ. एस. के. भरद्वाज और उनकी टीम ने जांच के बाद अखिलेश (पुत्र रामदेव, निवासी पूरे रिशाल मजरे कुशमहुरा) को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल संजय सिंह (25 वर्ष, निवासी नारायनपुर मोन) और सोनू (28 वर्ष, निवासी मोन) की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी वाहन की पहचान की जा सके।

**एम्बुलेंस सेवा पर उठे सवाल**

हादसे के बाद समय पर एम्बुलेंस न पहुंचने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते चिकित्सा सहायता मिल जाती, तो शायद युवक की जान बचाई जा सकती थी। इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं की बदहाल स्थिति को उजागर कर दिया है।

## गंगा एक्सप्रेसवे पर बेकाबू ट्रक ने कार को मारी टक्कर

**● बैंक कर्मी दंपति व मासूम घायल,कार के परखच्चे उड़ गए**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज (रायबरेली)।** गंगा एक्सप्रेसवे पर शनिवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। कटघर के पास एक बेकाबू डंपर ने कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार बैंक कर्मी दंपति और उनका बेटा घायल हो गया। घायलों को तुरंत एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। महिला और बच्चे की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जौनपुर के केराकत निवासी रविंद्र कुमार यादव पंजाब नेशनल बैंक में कर्मचारी हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती दिल्ली में है। वह पत्नी श्वेता और बेटे सहर्ष के साथ घर जौनपुर जा रहे थे। घायल श्वेता ने बताया कि कटघर के पास कार खड़ी कर वह कुछ देर के लिए रुके थे। बेटा पीछे की सीट पर बैठा था। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है।

## महर्षि नारद जयंती पर मेधावी छात्र छात्राएं सम्मानित

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे के आजाद नगर मोहल्ला स्थित एक विद्यालय परिसर में महर्षि नारद की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि नारद के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। विद्यालय के प्रबंध निदेशक दीप प्रकाश शुक्ला के नेतृत्व में शिक्षकों ने नमन किया। इसके बाद शिक्षकों ने बच्चों को महर्षि नारद के जीवन और उनके आदर्शों के बारे में बताया। शिक्षकों ने कहा कि महर्षि नारद ज्ञान और भक्ति के प्रतीक थे। उनके जीवन से हमें कर्तव्य और समर्पण की सीख मिलती है। प्रबंध निदेशक ने बच्चों को इन आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस मौके पर काजल भारती, अदिति सोनकर, कृष्णा, विमल कुमार, रश्मि सहित अन्य शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# संपूर्ण समाधान दिवस में 42 शिकायतों में 7 का मौके पर हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महराजगंज/रायबरेली।** तहसील सभागार महराजगंज में शनिवार को 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन एडीएम (प्रशासन) सिद्धार्थ एवं अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और संबंधित अधिकारियों को त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस के दौरान कुल 42 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें पुलिस विभाग की 14, राजस्व विभाग की 11, विकास विभाग की 4 तथा अन्य विभागों की 13 शिकायतें शामिल रहीं। इनमें से मौके पर केवल 7 शिकायतों का निस्तारण किया जा सका, जबकि शेष शिकायतों को समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। इसी दौरान एक जमीन विवाद का मामला भी सामने आया, जिसमें मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए। पीड़ित राजकुमार पुत्र राजाराम, निवासी ग्राम पूरे हनुमंत सिंह मजरे जेवना, थाना चंदापुर, तहसील महराजगंज ने शिकायत दर्ज कराकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि वह और विपक्षी पक्ष आपस में भाई हैं तथा जमीन का अभी तक बंटवारा नहीं हुआ है। आरोप है कि विपक्षी जबरन जमीन पर कब्जा कर मकान निर्माण करा रहे हैं और प्रार्थी के हिस्से की जमीन पर भी निर्माण किया जा रहा है।

पीड़ित का कहना है कि विरोध करने पर विपक्षी पक्ष द्वारा गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। साथ ही सोने-चांदी के सामान और पैसे की मांग भी की जा रही है। पीड़ित ने यह भी बताया कि पहले पुलिस द्वारा निर्माण कार्य रुकवाया गया था, लेकिन इसके बावजूद दोबारा निर्माण शुरू कर दिया गया। प्रार्थी ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर अवैध कब्जा रोका जाए और उसे न्याय दिलाया जाए। एडीएम (प्रशासन) सिद्धार्थ ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह, एसडीएम गौतम सिंह, तहसीलदार मंजुला मिश्रा, खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# अंतरराष्ट्रीय कला संगम से सजा शमशेर नगर

**● मजदूर दिवस पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सीतापुर।** जनपद के रामपुर मथुरा ब्लॉक अंतर्गत शमशेर नगर स्थित कमला देवी इंटरनेशनल स्कूल में मजदूर दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं यादगार अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक समागम के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका से आए ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को बहुरंगी और जीवंत बना दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान के साथ हुआ, जिसके पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला आरंभ हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्रीलंका की सुप्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना कु0 एन.के. समन माली की मनमोहक प्रस्तुति रही। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम तथा श्रीलंका के पारंपरिक राष्ट्रीय नृत्य 'उदारता नटुम' का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी भाव-भंगिमाओं, लयात्मकता और अभिव्यक्ति ने न केवल कला का उच्च स्तर प्रस्तुत किया, बल्कि भारत और श्रीलंका के सांस्कृतिक संबंधों की गहराई को भी दर्शाया। कार्यक्रम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी ने भी सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बांग्लादेश की चर्चित चित्रकार ब्रिटी दीपा मंडल की उत्कृष्ट पेंटिंग्स ने कला प्रेमियों को विशेष रूप से प्रभावित किया। वहीं श्रीलंका के प्रतिभाशाली कलाकार आर. आविंदा विशान फर्नांडो, चमीरा संपथ तथा ई.एम. महेश चतुरंगा की कलाकृतियों ने प्रदर्शनी को अंतरराष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्रदान की। इन चित्रों में सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक सृजनात्मकता का प्रभावशाली समावेश देखने को मिला, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। इस सांस्कृतिक समारोह के मुख्य अतिथि अरुण गुप्त (पूर्व आईजी, पुलिस) ने अपने संबोधन में विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'यह विद्यालय मरुस्थल में गुल खिलाने के समान है।' उन्होंने इतने भव्य आयोजन के सफल संचालन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी और इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। विद्यालय की प्रिंसिपल आरती सारस्वत ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि समाज का सहयोग निरंतर मिलता रहा तो यह संस्थान निश्चित ही भविष्य में एक नई पहचान और इतिहास स्थापित करेगा। उन्होंने शिक्षा और संस्कृति के समन्वय को समाज के समग्र विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने श्रीलंका की नृत्यांगना समन माली को अपनी चर्चित कृति 'श्रमवीर' भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने काव्यपाठ एवं ओजस्वी वाणी से पूरे वातावरण को ऊर्जा और भावनात्मक ऊष्मा से भर दिया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन भी उनके द्वारा ही किया गया। कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित मंच संचालन कमला देवी इंटरनेशनल स्कूल के प्रमुख ट्रस्टी डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा 'गुणशेखर' द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए उपस्थित जनसमूह से शिक्षा रूपी यज्ञ में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। इस अवसर पर राममनोरथ अवस्थी, गोविंद शर्मा, दीपक सार्थक सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद्, छात्र-छात्राएं एवं कला प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, सौहार्द और सांस्कृतिक समन्वय का वातावरण बना रहा। यह आयोजन न केवल शमशेर नगर के लिए गौरव का विषय बना, बल्कि इसने यह भी सिद्ध कर दिया कि छोटे नगरों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किए जा सकते हैं। एक दिन के लिए शमशेर नगर सचमुच अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में परिवर्तित नजर आया।

## जल जीवन मिशन की खुदाई के बाद गड्ढे नहीं भरे तो ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जीवन मिशन के तहत खुदाई का काम करते समय सुरक्षा के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और कार्य संपन्न होते ही खोदी गई सड़कों व गड्ढों को तत्काल भरा जाए। जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी खुद स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पानी पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। जल जीवन मिशन के जरिए करोड़ों लोगों को इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकरी तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खुदी हुई सड़कों व गड्ढों की स्थिति का पता करें। साथ ही इन्हें तत्काल भरना भी सुनिश्चित करें। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम को समय से पूरा नहीं करने, अधूरा छोड़ने या इसमें लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं व ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए।

# अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

**● हादसा सीसीटीवी में कैद**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महमूदाबाद, सीतापुर-** रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के महमूदाबाद-रेउसा मार्ग पर गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल चल रहे युवक की तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, मृतक की पहचान लाल बाबू (35) पुत्र अज्ञात, निवासी थाना रेवती, जनपद बलिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब 15 दिनों से अपने बहनोई राजेश पुत्र रामचतुर, निवासी रंजीतपुर (थाना रामपुर मथुरा) के यहां रह रहा था। परिजनों के अनुसार, गुरुवार शाम लाल बाबू अपने बहनोई के साथ बाजार गया था, जहां किसी समय दोनों अलग हो गए। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला, इसी बीच पास के पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई, जिसमें रात करीब 4:18 बजे लाल बाबू सड़क के बीच टहलता हुआ दिखाई दे रहा है। तभी गोड़ैचा की ओर से आ रही तेज रफ्तार चार पहिया वाहन उसे जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो जाती है। हादसे के समय सड़क पर भारी वाहनों का आवागमन भी जारी था, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया।चांदपुर चौकी इंचार्ज संजय सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है और जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## जमीन विवाद में युवक पर हमला, फायरिंग का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के झाबर हरदो पट्टी गांव में शनिवार सुबह जमीनी विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने प्रधान प्रतिनिधि और उसके अज्ञात पांच छह साथियों पर फायरिंग का भी आरोप लगाया है। गांव निवासी अमरेंद्र सिंह ऊर्फ गया ने बताया कि वह अपनी पत्नी साधना के साथ बैनामे की जमीन पर बने अपनी गौशाला में पशुओं की देखरेख करने गया था। इसी दौरान दो सफेद कारों से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अपने पांच छह अज्ञात साथियों के साथ पहुंचे। आरोप है कि सभी ने गाली गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने फायरिंग भी की। इससे उसकी बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अमरेंद्र ने बताया कि जमीन को लेकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि से पिछले पांच वर्षों से विवाद चल रहा है। पहले भी कई बार मारपीट हो चुकी है। आरोप है कि विरोधी पक्ष निर्माण गिरवाने और गांव छोड़ने का दबाव बनाता रहा है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। सीओ ने बताया कि अमरेंद्र सिंह की भूमि से सटी हुई सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था। ग्राम प्रधान की शिकायत पर राजस्व और विकास विभाग की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में कब्जे की जमीन खाली करा कर उस शौचालय का निर्माण प्रस्तावित है। बताया कि कुछ दिन पहले किसी जमीन को लेकर विवाद हुआ था जिस पर अमरेंद्र के विरुद्ध मामले में केस दर्ज किया गया था। अमरेंद्र का आरोप है कि आज जब वह अपने हाते में पशुओं की रखवाली करने गया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट व उन पर फायरिंग की। कहा कि हर पहलू से जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## दो स्टूलों को मिलाने से कुर्सी नहीं बनती, केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक के वीडियो पर अखिलेश यादव का तंज

**लखनऊ।** बुद्ध पूर्णिमा पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक द्वारा बनाए गए वीडियो पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज किया है। सपा प्रमुख ने एक्स पर लिखा,आप दोनों तो (दिखाने को) एक साथ हैं पर जो मुख्य हैं, वो कहां हैं? क्या वो आपसे अलग हैं या आप दोनों को उन्होंने अलग कर दिया है। उन्होंने आप दोनों को उस एक संकरी पगडंडी पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिस पर दो के चलने की जगह भी नहीं हैं। सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि भाजपाइयों से आग्रह है कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा बनाए रखें और अपने असत्य वचनों व नकारात्मक राजनीति से धर्मस्थलों की शुचिता भंग न करें। आप ईश्वर को पीठ दिखाकर, उनके पावन प्रांगण में किसी अन्य व्यक्ति की स्तुति करके, ईश्वर के मान को खंडित न करें। ये पाप है। वहीं एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा,'दो स्टूलों को मिलाने से कुर्सी नहीं बनती।'

# अरविंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में व्यापारी प्रकोष्ठ की हुई महत्वपूर्ण बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लहरपुर (सीतापुर) :** अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज कोतवाली परिसर में व्यापारी प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कोतवाली परिसर में आयोजित व्यापारी प्रकोष्ठ की बैठक में व्यापारियों की सुरक्षा और शहर की कानून व्यवस्था को लेकर मंथन किया गया। इस बैठक में पुलिस और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। कोतवाली प्रभारी ने व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है। पूरे लहरपुर क्षेत्र को हाई-मेगापिक्सेल कैमरों के नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, ताकि हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके। व्यापारिक क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट स्थापित करने पर सहमति बनी। कोतवाली प्रभारी ने अधीनस्थों को क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ व सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। सहयोग और तकनीक (CCTV) के तालमेल से हम लहरपुर को एक सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष रियाज अहमद बब्लू ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि 'व्यापारी समाज शहर की सुरक्षा के लिए पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। हम व्यापारियों से अपील करते हैं कि वे अपनी दुकानों के बाहर बेहतर गुणवत्ता वाले कैमरे लगवाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस पिकेट और गश्त बढ़ने से व्यापारियों में सुरक्षा का भाव पैदा होगा और भयमुक्त व्यापारिक माहौल बनेगा। 'बैठक में व्यापारिक हितों और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रमुख रूप से महामंत्री हरीश रस्तोगी गोलू, उपाध्यक्ष हाशिम अंसारी, जावेद अंसारी, शीलू शुक्ला, आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।ह इस अवसर पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और नगर के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में प्रमुख रूप से रियाज अहमद अध्यक्ष किराना एसोसिएशन, विशाल कपूर, निहाल कुरैशी, मो0 रेहान चांद, ओमकार जायसवाल, रवि रस्तोगी, शियाराम जायसवाल, सरोज कुमार जायसवाल, ताहिर, नूरुल, आशिक अली, अबरार अहमद, आकाश सिंह, मौलाना सिराज खान और उस्मान खान समेत बड़ी संख्या में व्यापारी और प्रशासन के लोग मौजूद रहे।

# संक्षिप्त खबरें

## केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का किया शुभारंभ

**नई दिल्ली।** केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सुझाव एवं मार्गदर्शन में, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से विकसित 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' का शुभारंभ किया। इस अत्याधुनिक प्रणाली के माध्यम से आपदा, आपातकालीन स्थिति तथा जनसुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं सीधे नागरिकों के मोबाइल फोन पर त्वरित रूप से प्रेषित की जा सकेंगी। इसी क्रम में आज देशभर में इस प्रणाली का सफल परीक्षण भी किया गया। परीक्षण के दौरान नागरिकों के मोबाइल फोन पर बीप ध्वनि के साथ इमरजेंसी अलर्ट संदेश प्रदर्शित हुआ। यह पहल भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं, गंभीर मौसम परिस्थितियों तथा अन्य आपात स्थितियों के दौरान त्वरित और प्रभावी सूचना प्रसारण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# अमेरिका भरोसेमंद नहीं, फिर भड़क सकता है युद्ध... ईरान का बड़ा दावा

**● सीजफायर के बावजूद दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अभी भी बना हुआ है और हालात फिर से बिगड़ सकते हैं. ईरान की सेना ने कहा है कि अमेरिका-इजराइल के साथ युद्ध दोबारा शुरू हो सकता है. ईरानी सेना के डिप्टी अधिकारी मोहम्मद जाफर असादी ने कहा कि अमेरिका किसी भी समझौते का सही तरीके से पालन नहीं कर रहा है। असादी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान सिर्फ दिखावे के लिए हैं. उनका कहना है कि अमेरिका मीडिया के जरिए यह दिखाना चाहता है कि सब ठीक है, ताकि तेल की कीमतें नीचे न जाएं और वह खुद इस स्थिति से निकल सके. उन्होंने साफ कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर कोई हमला होता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा।

**ट्रंप ने ईरान का नया प्रस्ताव ठुकराया**

यह बयान ऐसे समय आया है जब डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत के नए प्रस्ताव को ठुकरा दिया. ईरान की सरकारी एजेंसी के मुताबिक, ट्रंप ने कहा कि ईरान ऐसी शर्तें रख रहा है, जिन्हें वह मान नहीं सकते. उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के नेता आपस में एकजुट नहीं हैं और अलग-अलग समूहों में बंटे हुए हैं। दूसरी तरफ ट्रंप यह भी कह रहे हैं कि युद्ध अब खत्म हो चुका है, क्योंकि दोनों देशों के बीच सीजफायर लागू है. उन्होंने अमेरिका के वॉर पावर्स कानून को भी गलत बताया, जिसमें कहा गया है कि 60 दिनों के अंदर संसद से युद्ध की मंजूरी लेनी होती है।

**पागलों के हाथों में परमाणु हथियार नहीं दे सकते: ट्रंप**

इस बीच, ट्रंप ने एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका इस युद्ध में इसलिए है क्योंकि हम पागलों के हाथों में परमाणु हथियार नहीं जाने दे सकते. उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना जरूरी है।

**ईरान में 64 दिन से इंटरनेट बैन**

ईरान में 64 दिन से इंटरनेट बैन है. इंटरनेट पर नजर रखने वाली संस्था हृद्गह्लक्ब्ध्यश्चष्द्मह्य के मुताबिक, देश लगभग पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से कट गया है. यह पाबंदियां जनवरी की शुरुआत में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद लगाई गई थीं और फरवरी के अंत में और कड़ी कर दी गई. इंटरनेट बंद होने से देश में कामकाज और कारोबार पर बुरा असर पड़ा है और लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

## दिल्ली के ग्रीन पार्क में जज अमन कुमार ने की आत्महत्या, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में थे सचिव

**दिल्ली।** सफदरजंग एन्क्लेव थाना क्षेत्र स्थित ग्रीन पार्क इलाके में शनिवार को जज द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान यू-4ए, प्रथम तल, ग्रीन पार्क मेन निवासी 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा के रूप में हुई है, जो कड़कड़डूमा कोर्ट स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) में सचिव के पद पर थे और न्यायिक सेवा से जुड़े थे।

**नहीं मिले साजिश के संकेत**

पुलिस के मुताबिक दोपहर में पीसीआर काल मिलने पर टीम मौके पर पहुंची। घटना की सूचना डिफेंस कालोनी निवासी मृतक के जीजा शिवम ने दी। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस परिजनों और करीबी लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना के पीछे की वजह स्पष्ट हो सके।

# अपना करियर उड़ाने के बाद, चिड़िया उड़' खेलते नजर आए पृथ्वी शॉ

**● यूजर्स ने लगा दी क्लास**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**दिल्ली।** आईपीएल 2026 के 43वें मुकाबले में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स की जंग हुई। यह मुकाबला जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में खेला गया। मैच के दौरान पृथ्वी शॉ ने सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने कुछ ऐसा किया जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच के बीच पृथ्वी शॉ बाउंड्री के बार सपोर्ट स्टाफ के साथ मिलकर चिड़िया उड़ गेम खेल रहे थे। उनकी यह तस्वीर कुछ ही समय में आग की तरह वायरल हो गई। एक्स पर कुछ लोगों ने शॉ की क्लास लगाई है। एक यूजर का कहना है कि अपने करियर उड़ाने के बाद के बाद शॉ चिड़िया उड़ खेल रहे हैं।आईपीएल 2026 से पहले हुए मिनी ऑक्शन में पहले तो पृथ्वी शॉ अनसोल्ड रहे थे। एक्सलरेटेड राउंड में दिल्ली कैपिटल्स ने पृथ्वी शॉ को बेस प्राइस 75 लाख रुपये में खरीदा था। मौजूदा सीजन में शॉ को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। वह सिर्फ पानी पिलाते हुए ही नजर आए हैं। पृथ्वी शॉ आखिरी बार आईपीएल 2024 में खेलते नजर आए थे। लीग में उन्होंने अब तक 79 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 24 की औसत और करीब 148 की स्ट्राइक रेट से 1892 रन बनाए हैं। लीग में उनके नाम 14 अर्धशतक है। उनका बेस्ट स्कोर 99 रन है। शॉ 2018 से ही दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रहे हैं।

## प्रयागराज जिला जेल में टीवी देखने को लेकर बंदियों में मारपीट, कई घायल

**प्रयागराज।** नैनी स्थित जिला जेल में टीवी देखने को लेकर बंदियों में जमकर मारपीट हुई। इसमें कई बंदी घायल हो गए। हंगामा होते देख बीच-बचाव को पहुंचे बंदीरक्षक को भी बंदियों ने पीट दिया, जिससे जेल में अफरा-तफरी मच गई। जेल प्रशासन ने किसी तरह मामले को शांत कराया। घटना में शामिल पांच आरोपित बंदियों को यहां से अन्य जेलों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

**टीवी रिमोट को लेकर बंदी हुए लामबंद**

जिला जेल के बैरक संख्या एक में तीन दिन पूर्व शाम को बैरक बंद होने के बाद वहां चल रहे टीवी देखने को लेकर दो बंदियों में कहासुनी हो गई। देखते-देखते रिमोट अपने पास रखने को लेकर दोनों ओर से कई बंदी लामबंद हो गए। पहले दोनों ओर से कहासुनी हुई और फिर मारपीट शुरू हो गई। बैरक के भीतर मारपीट होने से खलबली मच गई।

**जेल प्रशासन ने किसी तरह मामला शांत कराया**

अन्य बंदी चिल्लाते हुए मदद मांगने लगे। आवाज सुनकर एक बंदीरक्षक पहुंचा और बैरक में दाखिल हुआ तो कई बंदी जख्मी थे। यह देखकर वह बीच-बचाव करने लगा। इस पर कुछ बंदियों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। खबर जेल अफसरों को मिली तो पलभर में बड़ी संख्या में बंदीरक्षक और अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना में शामिल बंदियों को अलग-अलग बैरक में भेज दिया गया। जेल प्रशासन ने किसी तरह मामले को शांत कराया।

**5 बंदी अलग-अलग जिलों के जेल में स्थानांतरित**

घटना के दौरान वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमित दुबे अवकाश पर थीं। अगले दिन वापस आने पर उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच कराई। इसमें आरोपित पांच बंदियों को प्रतापगढ़, कौशांबी, मीरजापुर, भदोही जेल में स्थानांतरित कर दिया गया।

## अंबेडकरनगर में मां ने ईंट से कूचकर चार मासूम बच्चों को उतारा मौत के घाट

अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार की दोपहर तीन बजे एक घर में बिस्तर पर चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और बच्चों की मां घर से गायब थी। ताया जा रहा है कि महरुआ निवासी नियाज की पत्नी अपने पुत्र शफीक, सउद, उमर व पुत्री बयान के साथ मीरानपुर में रहती थी। नियाज सऊदी अरब में पिछले कई वर्षो से नौकरी करता है और उसने वहीं पर किसी पाकिस्तानी महिला से निकाह भी कर लिया। आशंका जताई जा रही है कि इसी बात को लेकर महिला तनावग्रस्त रहती थी और उसी ने ईंट से कूचकर पहले बच्चों की हत्या को अंजाम दिया। इसके बाद बालकनी से कूद कर भाग गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

## यूपी के शिक्षामित्रों के लिए 250 करोड़ का बजट जारी

**● बढ़ा मानदेय खाते में आने की तारीख तय**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लखनऊ।** परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को इस माह से 18 हजार रुपये मानदेय मिलेगा। बढ़ी हुई राशि पांच मई से पहले उनके खातों में पहुंच जाएगी। इसी के साथ, पांच मई को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शिक्षामित्र सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के साथ-साथ प्रदेश के सभी जिलों में भी सम्मान समारोह होंगे, जिनमें स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इसके जरिये सरकार यह संदेश देना चाहती है कि वह शिक्षामित्रों के साथ खड़ी है। प्रदेश में करीब 1.42 लाख शिक्षामित्र कार्यरत हैं। अब तक उन्हें 10 हजार रुपये मानदेय मिलता था, जिसे बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया गया है। यानी 8 हजार रुपये की

बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल से लागू माना जाएगा और इसकी राशि अब उनके खातों में भेजी जा रही है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए करीब 250 करोड़ रुपये का बजट भी मंजूर किया है। गोरखपुर में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में कुछ शिक्षामित्रों को प्रतीकात्मक रूप से डमी चेक भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल पर बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं से जुड़े स्टाल भी लगाए जाएंगे। वहीं, प्रदेश के अन्य जिलों में भी जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में समानांतर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हर जिले को इसके लिए 2.50 लाख रुपये बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी किया गया है।

## राजेश खन्ना की सबसे बड़ी फ्लॉप ने अनिल कपूर के पिता को कर दिया था कंगाल

**● एक्टर को खुद करना पड़ा था डेब्यू**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**दिल्ली।** फिल्म इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात बदल सकती है। अनिल कपूर ने इसे बहुत कम उम्र में ही अनुभव कर लिया था। हाल ही में एक बातचीत में, एक्टर ने बताया कि सुपरस्टार राजेश खन्ना की एक फिल्म के फ्लॉप होने का उनके पिता और निर्माता सुरिंदर कपूर पर कितना गहरा असर पड़ा था।

**बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी फिल्म**

अनिल कपूर ने उस घटना को भी याद किया जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा में एक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। अनिल कपूर अक्सर अपने पिता की अधूरी इच्छाओं को पूरा करने की बात करते रहे हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने याद किया कि कैसे उनके पिता की एक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी जिसके बाद कई लोगों ने उनसे दूरी बना ली थी।

**बेहद अकेले पड़ गए थे अनिल कपूर के पिता**

उस पल को याद करते हुए अनिल ने लिली सिंह को बताया कि उनके पिता, जो कभी लोगों से घिरे रहते थे, फिल्म की असफलता के बाद अचानक अकेले पड़ गए। अनिल ने कहा, 'वे दिल्ली से बेंगलुरु जा रहे थे और हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने कोई नहीं आया था।

सबने मानो उन्हें छोड़ दिया था, जैसे उन्हें अपना मानने से इनकार कर दिया हो। यह बहुत चौंकाने वाला था... मैं देख सकता था कि वे बहुत कमजोर थे और शायद रो रहे थे। '

**पिता ने नहीं की एक्टर बनने में मदद**

अनिल कपूर ने कहा कि वह अनुभव उनके मन में हमेशा के लिए बस गया। यह सिर्फ एक फिल्म के असफल होने की बात नहीं थी; बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण था कि इंडस्ट्री में सफलता कितनी नाजुक हो सकती है। अनिल ने यह भी बताया कि

निर्माता होने के बावजूद उनके पिता ने कभी उनके लिए चीजें आसान नहीं बनाई। जब अनिल ने एक्टिंग करने की इच्छा जताई, तो सुरिंदर कपूर ने साफ कर दिया कि उन्हें अपना रास्ता खुद ही खोजना होगा। लगभग 18 या 19 साल की कम उम्र में ही अनिल ने जिम्मेदारी की भावना के साथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। एक्टर ने आगे कहा, 'मेरे पिता एक फिल्म निर्माता थे और उस समय उनकी फिल्मों के लिए लीड एक्टर मिलना मुश्किल था। इसलिए मैंने कहा,'मुझे अभिनेता बनना है। मुझे मुख्य अभिनेता बनना है। ' अनिल कपूर को आखिरी बार फिल्म सूबेदार में देखा गया था। ये अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो रही है।

# ध्वस्तीकरण आदेश के बाद भी नहीं हटवाया जा रहा अवैध अतिक्रमण

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**गोला खीरी-** मामला परगना भूड के ग्राम पलहनापुर का है यहां पर भी खलिहान की जमीन पर प्रधान के परिवार के लोगों का कब्जा बताया जाता है।जबकि कुछ जमीन पर कई लोगों ने आलीशान मकान दुकान खड़ी कर ली है यहां पर लगभग 38 एकड़ भूमि पर दबंगों का अवैध कब्जा होना बताया जा रहा है। आलम यह है कि कुछ लोगों पर कारवाई की जाती है तो कुछ को अभयदान दे दिया जाता है। जिसका जीता जागता सबूत है कि खलिहान और कुछ अन्य जमीन पर प्रधान और उनके लोगों का कब्जा है लकिन उन पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।लोग बताते हैं कि लेखपाल सिर्फ 04 लोगों के खिलाफ़ धारा 67 की कार्रवाई की जिसमें बेदखली/ध्वस्तीकरण का आदेश भी पारित किया जा चुका है । और आज तक अवैध निर्माण को ध्वस्त नहीं कराया गया।और अब पैसा लेकर कानूनगो भूड लेखपाल पर पूर्व लेखपाल की रिपोर्ट को गलत साबित करने के लिए जिरह करने का दबाब बनाया जा रहा है ग्राम पलहनापुर के एक कब्जे दार ने बताया कि नाम का खुलासा मत करना इस बेदखली कार्रवाई को खत्म करने के लिए विधायक जी का फोन कराने के साथ ही 50,000 रुपये का नजराना भी पेश किया गया जो इन्हीं कानूनगो सहाब के हाथों साहब तक पहुंचाये जाने की चर्चा जोरों पर है।हालांकि मैं इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं करता हु। मामला जांच का विषय है ।

**किन किन लोगों पर हुआ बेदखली आदेश-**

सूत्रों बताते हैं सिर्फ चार लोगों पर बेदखली आदेश हुआ जिनमें से प्रमुख नाम राजेंद्र सिंह, बृजेंद्र सिंह, शिव बालक सिंह, गजेंद्र सिंह आदि है। जिसमें पैसा और सत्ताधारी सफेदपोश संरक्षण मिलने के बाद अब लीपा पोती का खेल शुरु किया गया है। सवाल यह उठता है कि क्या आपने ही आदेश को अपास्त कर देंगे तहसील दार/न्यायिक उप जिलाधिकारी गोला कैसे साबित करेंगे पूर्व के लेखपाल की पैमाइश और रिपोर्ट को गलत/झूठी यह भी समय बतायेगा। महज अवैध कब्जा धारकों को संरक्षण देने की मंशा से जिरह करवाये जाने का लेखपाल पर बनाया जा रहा दबाब- विभागीय सूत्रों की माने तो लेखपाल पर दबाब बनाकर जिरह करवाने का खेल खेला जा रहा है।इस खेल के नायक अरुणेश मिश्रा बताए जाते हैं शायद इन्होंने ही मामले को सुल्ताने का जिम्मा ले रखा है। क्या तहसील दार अपने आदेश को निरस्त कर पाएंगेक्या लेखपाल मोहन कश्यप पूर्व लेखपाल की रिपोर्ट को गलत साबित कर सकते हैं?यदि रिपोर्ट गलत साबित होती है तो क्या पूर्व लेखपाल पर होगी कार्रवाई? जब रिपोर्ट गलत थी तो कैसे पास हो गया बेदखली आदेश इसकी जवाबदेही भी तो तहसील दार और

न्यायिक उप जिलाधिकारी गोला की होगी और क्या इनके विरुद्ध की जाएगी कार्रवाई ऐसे कई सबाल पैदा होते हैं जिनके सटीक जवाब किसी के पास भी नहीं मिल पा रहे हैं। जांच के बाद ही होगा दुध का दुध और पानी का पानी । ऐसे कई और मामले है। **वर्जन**-लेखपाल मोहन कश्यप ने बताया कि मैं अभी आया हूं मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है हा कुछ जमीनों पर अवैध कब्जा होने की जानकारी मिली है। जिसमें कुछ लोगों पर धारा 67 की कार्रवाई और उसमें बेदखली आदेश भी पारित किए गए हैं।

## मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार ने 15% बढ़ाई न्यूनतम मजदूरी

**● पंजाब विधानसभा ने 13 साल बाद न्यूनतम मजदूरी में 15% बढ़ोतरी को सर्वसम्मति से मंजूरी दी, जिससे सरकारी और निजी क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों को लाभ मिलेगा।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**चंडीगढ़।** पंजाब विधानसभा ने मई दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 13 साल बाद न्यूनतम मजदूरी में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के सभी रजिस्टर्ड श्रमिकों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बढ़ोतरी को श्रमिक वर्ग के योगदान के प्रति सम्मान बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की बेस दर (मूल दर)

आखिरी बार 2012 में संशोधित की गई थी। हालांकि, साल 2012 से अब तक महंगाई भत्ता बढ़ता रहा है, लेकिन न्यूनतम मजदूरी की बेस दर में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई।

**शुरू करेंगे शुक्राना यात्रा-** मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन एक्ट 2026 लागू हो गया है। इस कानून के बनने के बाद अब वे 6 मई से श्री आनंदपुर साहिब से शुक्राना यात्रा शुरू करेंगे, जो 9 मई तक चलेगी। इस यात्रा के दौरान तख्त श्री केसगढ़ साहिब,अकाल तख्त साहिब, दमदमा साहिब, मस्तुआणा साहिब, गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब और श्री फतेहगढ़ साहिब में माथा टेककर शुक्राना किया जाएगा।

## प्रयागराज के निशानेबाज हर्षराज का ISSF जूनियर विश्वकप में चयन, जर्मनी में साधेंगे निशाना

**प्रयागराज।** संगम नगरी की प्रतिभा की गूंज अब जर्मनी में सुनाई देगी। प्रयागराज की ईगल आई शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी के प्रतिभाशाली निशानेबाज हर्षराज सिंह का चयन 11 से 26 जून 2026 तक जर्मनी में होने वाली आइएसएसएफ वर्ल्ड शूटिंग जूनियर चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

**तिरंगे का मान बढ़ाएंगे हर्षराज**

मूलतः राजस्थान के रहने वाले हर्षराज सदर बाजार में रहते हैं। 11वीं के छात्र हर्षराज का सपना ओलिंपिक में प्रतिभा दिखाना है। उसी दिशा में वे अब 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में तिरंगे का मान बढ़ाएंगे। कोच विजय चंदेल (पिस्टल) और फरीद सिद्दीकी (राइफल) से प्रशिक्षण ले रहे हर्षराज कहते हैं कि वह इस मंच पर खुद को साबित करने के लिए अपना सर्वोच्च देंगे। इसके लिए अतिरिक्त तैयारी कर रहे हैं।

## सांसद राजेंद्र गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**चंडीगढ़।** देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों में शामिल कंपनी ट्राइडेंट ग्रुप हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि उसके संस्थापक एवं राज्यसभा सांसद राजेंद्र गुप्ता के राजनीतिक पाला बदलने के तुरंत बाद पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने बदले की भावना से फैक्ट्री पर असामान्य कार्रवाई शुरू कर दी। कंपनी की ओर से अदालत को बताया कि 1990 में स्थापित यह उद्योग समूह पूरी तरह सूचीबद्ध, लगभग 15 हजार कर्मचारियों वाला और सभी पर्यावरणीय मानकों का पालन करने वाला प्रतिष्ठान है। याचिका में कहा गया कि संस्थापक राजिंदर गुप्ता, जो अब सक्रिय प्रबंधन से अलग हैं और चेयरमैन एमेरिटस की भूमिका में हैं, ने 24 अप्रैल 2026 को अपना राजनीतिक दल बदल लिया। इसके तुरंत बाद कंपनी प्रबंधन, प्रमुख अधिकारियों और कर्मचारियों को कथित धमकियां मिलने लगीं। हाई कोर्ट को बताया गया कि कंपनी ने 25 अप्रैल को केंद्र सरकार के गृह सचिव को सुरक्षा की मांग संबंधी पत्र भी भेजा था। आरोप लगाया गया कि गुरुवार रात लगभग 7:30 बजे पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लगभग 30 सदस्यीय टीम ने फैक्ट्री परिसर में पहुंचकर 'छापामार शैली' में कार्रवाई की, कर्मचारियों की आवाजाही सीमित की और नमूना संग्रह की वैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया। कंपनी का दावा रहा कि नियमों के तहत लिए गए नमूनों में से एक प्रति उद्योग को देना अनिवार्य था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की कि ताजा नमूने किसी केंद्रीय एजेंसी से पंजाब से बाहर जांचे जाएं, क्योंकि उसे राज्य तंत्र पर भरोसा नहीं है। साथ ही किसी भी कठोर कार्रवाई से पहले नोटिस और सुनवाई का अवसर देने का आग्रह किया गया। दूसरी ओर, पीपीसीबी की ओर से अदालत को स्पष्ट किया कि यह केवल नियमित निरीक्षण था, फिलहाल किसी प्रकार की दंडात्मक या जबरन बंदी कार्रवाई प्रस्तावित नहीं है और याचिका आशंकाओं पर आधारित है। उन्होंने अदालत को आश्वस्त किया कि सोमवार तक कंपनी के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया जाएगा।

**4 मई तक कार्रवाई पर लगी रोक-** इस पर खंडपीठ ने पीपीसीबी के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए कंपनी के खिलाफ सोमवार तक किसी भी प्रकार की कठोर कार्रवाई पर रोक लगा दी। अदालत ने औपचारिक नोटिस जारी करते हुए मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यदि उद्योग की आशंकाएं तथ्यों से पुष्ट हुई, तो प्रक्रिया और प्रशासनिक निष्पक्षता दोनों न्यायिक जांच के दायरे में आएंगे।

# सभासद ने लगाए अध्यक्ष पति और देवर पर जान माल की धमकी देने के आरोप

**● नगर पंचायत खीरी में हुए घोटाले और भ्रस्टाचार की शिकायत में अपने पक्ष में शपथ पत्र देने का बनाया जा रहा दबाब**

**शपथ पत्र न देने पर अंजाम भुगतने को तैयार रहने की दी जा रहीं धमकी**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लखीमपुर खीरी/** खीरी टाउन मामला नगर पंचायत खीरी का है जहां पर नगर पंचायत अध्यक्ष उजमा बी के पति और देवर अतीक अहमद उर्फ बाबा ने अधिशासी अधिकारी से मिली भगत करके करोड़ों रुपए की सरकारी धनराशि का बंदर बाट लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। उक्त सरकारी धनराशि के गवन व अपने घर में कई सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर बोर्ड बैठक में मनमानी ढंग से प्रस्ताव पास कर लिए जाने के गंभीर आरोप कई सभासदों द्वारा अध्यक्ष नगर पंचायत खीरी उज्मा बी व उनके पति फहीम अहमद सहित अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार पर लगाए हैं ।उक्त मामले की शासन प्रशासन में दर्जनों शिकायतें सभासदों द्वारा शपथ पत्र के माध्यम से की गई लेकिन मामले की आज तक जांच नहीं की जा सकी ।अपने विरुद्ध लगातार हो रही शिकायतो से खिन्न अध्यक्ष के पति फहीम अहमद व देवर अतीक अहमद उर्फ बाबा द्वारा शिकायतकर्ता पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाए जाने व शिकायत वापस न लेने पर अंजाम भुगतने को तैयार रहने के गंभीर आरोप शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए हैं। पीड़ित सभासद मकसूद अली ने जिला अधिकारी खीरी को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसने दिनांक 19 .01. 2026 को प्रमुख सचिव नगर विकास को शिकायत प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें जिला अधिकारी कार्यालय द्वारा जांच हेतु दिनांक 15.0 4.2026 को साक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। शिकायतकर्ता द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 40 ठेलिया क्रय करने हेतु टेंडर अधिशासी अधिकारी /अध्यक्ष द्वारा नियम विपरीत शक्ति इंटरप्राइजेज को दिए जाने के आरोप लगाए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है जो ठेलिया क्रय की गई है वह मानक रूप नहीं है ठेलिया जंग लगी हुई व गुणवत्ता विहीन मानकों के विपरीत है। जांच करने पर पाया गया कि जो ठेलिया स्टील बॉडी की एक ठेलिया की 29000 रुपए में खरीद की गई है जबकि वहीं ठेलिया बाजार में 13,800 में उपलब्ध है ।तथा लोहे बाडी की ठेलिया की कीमत 10,500 रुपया बाजार मूल्य में उपलब्ध है जिसका कोटेशन भोला रिक्शा मार्ट द्वारा दिया गया है।

**कब कब और कहां कहा की गई शिकायतें-** दिनाँक 19.01.2026 प्रमुख सचिव नगर विकास उत्तर प्रदेश लखनऊ,दिनाँक 16.02.26 को जिला अधिकारी लखीमपुर खीरी, दिनाँक 16.02.26 को नायब तहसीलदार / उप जिला अधिकारी तहसील सदर जिला खीरी, दिनांक 17 .2 2026 को जिला अधिकारी खीरी दिनांक 19.0 2 .2026 सभापति प्रमुख सचिव नगर विकास उत्तर प्रदेश लखनऊ दिनांक 17 .02 .2026 को अपर जिला अधिकारी खीरी दिनांक 20.2.2026 अजय मिश्रा टेनी पूर्व गृह राज्य मंत्री भारत सरकार को शिकायतें कर मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता का कथन है कि उक्त शिकायत के क्रम में मांगा गया जवाब उसने दिनांक 18. 4.2026 को डाक द्वारा जिला अधिकारी कार्यालय को प्रेषित कर दिया था ।दिनांक 30 4.26 को अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत खीरी द्वारा मकसूद को मोबाइल नंबर पर सूचित किया गया कि आपकी एक और नोटिस आई है जिसमें आपको नगर पंचायत कार्यालय आकर नोटिस रिसीव करना है और यह भी बताया गया कि दिनांक 4 मई 2026 को समय 10:30 बजे जिला अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होना है ।पीड़ित मकसूद का आरोप है कि जब से उसने उक्त भ्रष्टाचार और घोटाले की शिकायत शासन स्तर पर की है तब से नगर पंचायत अध्यक्ष उजमा बी के पति फहीम अहमद और देवर अतीक अहमद उर्फ बाबा द्वारा डराया धमकाया जा रहा है और जबरन अपने पक्ष में शपथ पत्र लेने का प्रयास किया जा रहा है ।तथा कई सदस्यों को धमकाते हुए यह भी कहा जा रहा है कि यदि शपथ पत्र नहीं दोगे तो इसका अंजाम खीरी कस्बा देखेगा ।पीड़ित का आरोप है कि उक्त लोग दबंग और झगड़ालू किस्म के लोग हैं उक्त लोगों से अपनी जान को खतरा बताते हुए शिकायतकर्ता ने जान माल की सुरक्षा कराए जाने एवं शिकायतों में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।